सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

RNI No: UPHIN/2023/86769

www.swarajindianews.com

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

मूल्यः ₹ 02

सांध्यकालीन समाचार पत्र

स्वराज इंडिया

कानपुर, गुरुवार, 22 मई, 2025
वर्षः 02, अंकः 144, पृष्ठः 8+4

डीजीपी प्रशांत कुमार के सेवा विस्तार को लिखा पत्र

» Pg 12

इनसाइड कानपुर में वकीलों की आड़ में जमीन माफियाओं का पर्दाफाश » Pg03

आंधी- तूफान का तांडव, 19 की मौत

जन-जीवन बुरी तरह प्रभावित, सीएम योगी ने प्रशासन को अलर्ट मोड में रहने को कहा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश में बुधवार को आई आंधी, ओलावृष्टि और बारिश से 19 लोगों की मौत हो गई है। सीएम योगी ने इसका संज्ञान लेते हुए प्रशासन को अलर्ट मोड पर रहने को कहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आंधी-बारिश, ओलावृष्टि के दृष्टिगत सम्बन्धित जनपदों के अधिकारियों को पूरी तत्परता से राहत कार्य संचालित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारी क्षेत्र का भ्रमण कर सर्वे करें तथा राहत कार्य पर नजर रखें। आकाशीय बिजली, आंधी तूफान, बारिश आदि आपदा से जनहानि और पशुहानि होने की स्थिति में तत्काल प्रभावितों को राहत राशि का वितरण करें। घायलों का समुचित उपचार कराया जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देशित किया कि अधिकारीगण सर्वे कराकर फसल को हुए नुकसान का आकलन करते हुए आख्या शासन को भेजें, ताकि इस सम्बन्ध में आगे की कार्यवाही की जा सके। उन्होंने निर्देशित किया कि जल जमाव की स्थिति होने पर प्राथमिकता पर जल निकासी की व्यवस्था कराई जाए।

आज यहां बिजली गिरने का अलर्ट : प्रयागराज, प्रतापगढ़, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, भदोही, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, देवरिया, गोरखपुर, संतकबीरनगर, बस्ती, कुशीनगर, महराजगंज, सिद्धार्थनगर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, हरदोई, लखनऊ, बाराबंकी, अमेठी, सुल्तानपुर, अयोध्या, अंबेडकरनगर, सहारनपुर, बिजनौर, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर एवं आसपास के इलाकों में।

अलग-अलग जगहों पर19 लोगों की मौत

पूरे प्रदेश में बुधवार को बिगड़े मौसम ने कई लोगों की जान ले ली। कई लोग आंधी में पेड़ गिरने या टिन शेड की वजह से घायल हो गए। पश्चिम यूपी में सबसे ज्यादा प्रभाव दिल्ली से सटे जिलों में रहा। आंधी-बारिश से जहां तापमान में गिरावट दर्ज की गई तो वहीं आम की फसल को नुकसान होने का अनुमान है। प्रदेश में अलग-अलग जिलों में कुल 19 लोगों के मारे जाने की खबर है।

मुख्यमंत्री ने सम्बन्धित जनपदों के अफसरों को तेजी से राहत कार्य संचालित करने के निर्देश दिए हैं।

लखनऊ-कानपुर में देर रात भारी बारिश

यूपी में मौसम पूरी तरह से पलट गया है। देर शाम से लेकर रात तक बारिश हुई। कई जगह तेज हवाएं चल रही हैं। बुधवार देर रात लखनऊ, कानपुर सहित कई जिलों में बारिश हुई। एनसीआर और दिल्ली में दोपहर बार से ही बारिश और ओले पड़ने का सिलसिला शुरू हो गया था। 14 मिमी बारिश से खेतों में सतह तक पानी भर गया। आंधी से आम की फसल को काफी नुकसान हुआ है।

आंधी-तूफान का कहर : महिला का सिर हुआ धड़ से अलग

दिल्ली-एनसीआर में बुधवार की शाम ऐसा आंधी-तूफानआया, जिसकी कल्पना घर से निकलने से पहले शायद ही किसी ने की होगी. लोगों को संभलने का मौका तक नहीं मिला. किसी के ऊपर बिजली का खंभा गिर गया तो किसी की मौत पेड़ गिरने से हो गई.

21वीं मंजिल से टिन शेड गिरी दादी-पोते की मौत

दिल्ली से सटे ग्रेटर नोएडा में आंधी-तूफान की वजह से दर्दनाक हादसा हुआ है। ओमीक्रॉन की एक सोसायटी में टहल रही बुजुर्ग महिला और उसके 2 साल के पोते के ऊपर 21वीं मंजिल से टिन शेड गिर गई। इस हादसे में दादी की गर्दन धड़ से अलग हो गई और पोते की भी चोट लगने से मौत हो गई।

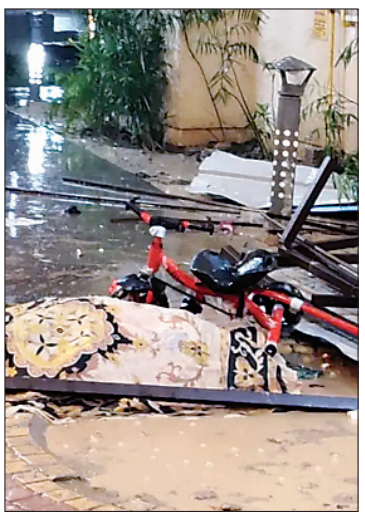

बिजली का खंभा गिरने से दिव्यांग की मौत

आंधी-बारिश की वजह से निजामुद्दीन के पास लोधी रोड फ्लाईओवर के पास बिजली का खंभा बाइक पर जा रहे एक दिव्यांग के ऊपर जा गिरा। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

आंधी-बारिश से अलग-अलग जगह हुए हादसों में हुए कई लोग घायल और कई मौतें

बाइक पर पेड़ गिरने से 40 साल के शख्स की मौत

गाजियाबाद में 40 साल के मुजम्मिल की जान आंधी-तूफान से बाइक पर पेड़ गिरने की वजह से चली गई। वहीं घर की दीवार गिरने से 38 साल की पानू देवी की मौत हो गई, वहीं चार अन्य लोग घायल हुए हैं।

सिर पर पेड़ गिरने से 22 साल के लड़के की मौत

वहीं उत्तर-पूर्वी दिल्ली के गोकुलपुरी में एक 22 साल के लड़के की मौत सिर पर बड़ा पेड़ गिरने से हो गई। गंभीर रूप से घायल अजहर को तुरंत अस्पताल ले जाया गया था, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

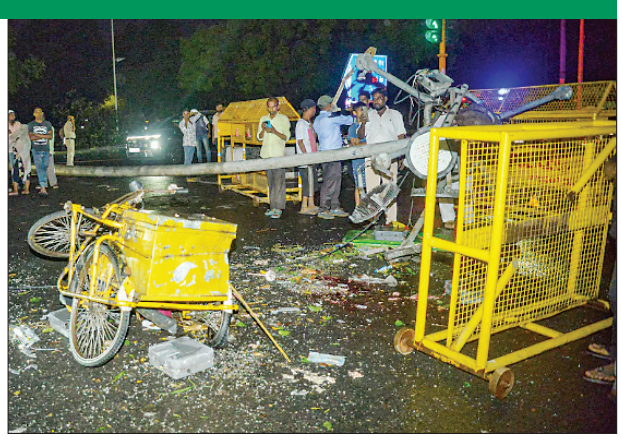

ओवरब्रिज की ग्रिल गिरने से 6 लोग घायल

मुखर्जी नगर में एक ओवरब्रिज की ग्रिल का हिस्सा गिरने से छह लोग घायल हो गए। वहीं कश्मीरी गेट इलाके में बालकनी गिरने से एक शख्स घायल हो गया। मंगोलपुरी में बालकनी गिरने से एक महिला समेत चार लोग घायल हुए।

कानपुर में अवैध रूप से रह रहा रोहिंग्या गिरफ्तार

» फर्जी दस्तावेज भी हुए बरामद

» बड़ा चौराहा पर चेकिंग के दौरान पुलिस के हत्थे चढ़ा, आधार और ड्राइविंग लाइसेंस के जरिए पहचान छिपाने की कोशिश

» बांग्लादेश से भारत पहुंचा, बहन की मदद से बनवाए दस्तावेज

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर पुलिस को बुधवार को चेकिंग के दौरान बड़ी सफलता मिली, जब बड़ा चौराहा पर एक संदिग्ध ऑटो चालक को रोका गया। पूछताछ के दौरान उसकी भाषा और हावभाव से पुलिस को शक हुआ, जिसके बाद उसे कोतवाली ले जाकर गहन पूछताछ की गई। आरोपी की पहचान मोहम्मद साहिल के रूप में हुई, जो म्यांमार का मूल निवासी है और पिछले आठ वर्षों से शुक्लागंज के मनोहर नगर इलाके में परिवार के साथ रह रहा था। वह यहां ऑटो चलाकर जीवनयापन कर रहा था। तलाशी के दौरान उसके पास से भारत सरकार द्वारा जारी आधार कार्ड और ड्राइविंग लाइसेंस मिला, जो फर्जी तरीके से बनाए गए थे। यह जानकर पुलिस भी हैरान रह गई कि भारत का नागरिक न होने के बावजूद वह

इतने वर्षों से यहां खुलकर रह रहा था।

पूछताछ में साहिल ने बताया कि वर्ष 2013-14 में वह अपने परिवार के साथ म्यांमार से भागकर नाव के जरिए बांग्लादेश के काक्स एस बाजार स्थित शरणार्थी शिविर में पहुंचा था, जहां तीन साल तक रहा। शिविर में हालात बेहद खराब थे – सुरक्षाकर्मी ज्यादती करते थे, समय पर भोजन नहीं मिलता था और किसी भी काम में लगा दिया जाता था। वहां कुछ लोगों ने भारत आने में मदद की और पैसे लेकर बॉर्डर पार कराया।

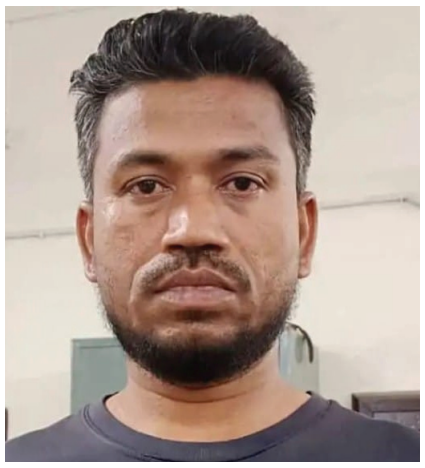

असोम होते हुए वह गुवाहाटी से ट्रेन पकड़ कर कानपुर सेंट्रल पहुंचा, जहां उसकी बहन ताहिरा बेगम पहले से रह रही थी और स्टेशन पर उसे लेने आई थी। ताहिरा और उसके पति अमीन की मदद से साहिल ने शुक्लागंज के पते पर आधार कार्ड बनवाया और फिर ड्राइविंग लाइसेंस भी हासिल किया। इसके बाद वह ऑटो किराए पर लेकर चलाने लगा और पूरी तरह एक आम नागरिक की तरह रहने लगा।

मानव तस्करी का नेटवर्क सक्रिय, जांच में जुटी पुलिस

साहिल ने पुलिस को बताया कि बॉर्डर पार कराने के लिए बांग्लादेश में सक्रिय ऑटो चालकों को प्रति व्यक्ति 1200 रुपये देने पड़े। इस तरह उसके परिवार के छह सदस्यों को भारत लाने के लिए कुल 7200 रुपये खर्च हुए। साहिल के साथ करीब 18 से 20 अन्य लोग भी आए थे, जो दिल्ली चले गए, जबकि साहिल अपने परिवार के साथ कानपुर में उतर गया। इस खुलासे से यह स्पष्ट होता है कि एक संगठित मानव तस्करी नेटवर्क सक्रिय है, जो रोहिंग्याओं को अवैध रूप से भारत में प्रवेश कराकर फर्जी दस्तावेज भी बनवाता है। पुलिस ने साहिल के निवास स्थान पर छापा मारा, जहां उसकी बहन और बहनोई नहीं मिले। डीसीपी ईस्ट सत्यजीत गुप्ता ने बताया कि आरोपी से पूछताछ जारी है और अब जांच इस दिशा में बढ़ाई जा रही है कि आधार और डीएल बनाने में किन स्थानीय लोगों ने सहायता की। साथ ही, पूरे नेटवर्क को पकड़ने के लिए विस्तृत छानबीन की जा रही है।

शौचालय घोटाले की जांच के लिए जांच टीम गठित

» जिला प्रशासन ने दिए जांच के आदेश

» स्वराज इंडिया की खबर का असर– जिलाधिकारी के निर्देश पर 21 मई को स्थलीय निरीक्षण, गाऊपुर के ग्राम प्रधान व सचिव को तलब

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात । स्वराज इंडिया दैनिक में प्रकाशित खबर का बड़ा असर सामने आया है। ग्राम पंचायत गाऊपुर, विकास खण्ड झींझक में शौचालय निर्माण में हुए कथित भ्रष्टाचार की जांच अब जिला प्रशासन ने अपने हाथ में ले ली है। जिलाधिकारी कानपुर देहात द्वारा आदेश संख्या 4509/पं0/शि0लि0–जॉच / गाऊपुर–झींझक/2024–25, दिनांक 18.12.2024 के तहत ग्राम प्रधान एवं पंचायत सचिव के विरुद्ध शिकायत की जांच का आदेश जारी कर

[redacted]

कार्यालयः–जिला कार्यकम अधिकारी, कानपुर देहात।

पत्रॉक–C-245/जि0का0अ0/जॉच/2025–26/ दिनॉकः20 अप्रैल, 2025

खण्ड विकास अधिकारी,
विकास खण्ड झींझक, कानपुर देहात।

जिलाधिकारी महोदय, कानपुर देहात आदेश संख्या–4509/पं०/शि०लि०–जॉच/गाऊपुर–झींझक/2024–25 दिनॉक–18.12.2024 के द्वारा शिकायतकर्ता श्री श्रीकृष्ण पुत्र स्व0 राजाराम निवासी ग्राम गाऊपुर, विकास खण्ड झींझक, कानपुर देहात ने ग्राम प्रधान एवं पंचायत सचिव के विरूद्ध ग्राम पंचायत गाऊपुर में भारत मिशन (ग्रामीण) के अन्तर्गत वर्ष–2015 से 2020 तक शौचालय निर्माण कार्य में धन का दुरूपयोग किये जाने की शिकायत की जॉच हेतु अद्योहस्ताक्षरी एवं सहायक अभियंता (ग्रामीण अभियंत्रण विभाग) कानपुर देहात को जॉच अधिकारी नामित किया गया है।

अतः पत्र इस आशय से प्रेषित है कि सम्बन्धित शिकायतकर्ताओं, ग्राम प्रधान, **सचिव,** ग्राम पंचायत गाऊपुर, विकास खण्ड झींझक को शिकायत के सम्बन्ध में समस्त मूल अभिलेखों सहित स्थलीय निरीक्षण दिनॉक 21.052025 को समय प्रातः 11:00 बजे ग्राम पंचायत गाऊपुर विकास खण्ड झींझक के पंचायत भवन में उपस्थिति होने हेतु निर्देशित करनें का कष्ट करें। ताकि आख्या ससमय प्रेषित की जा सके।

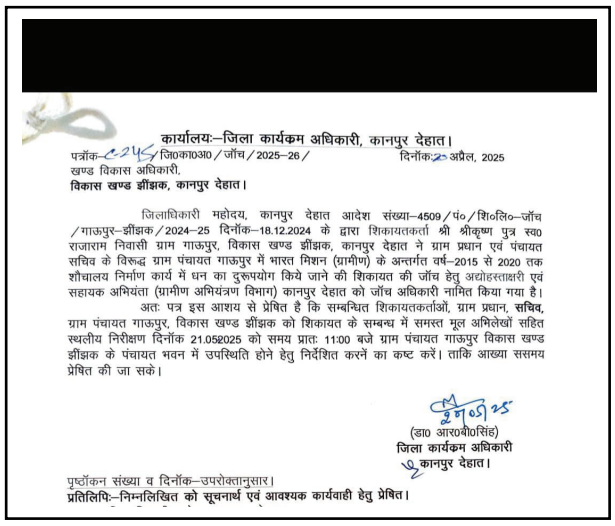

(डा0 आर0बी0सिंह)
जिला कार्यकम अधिकारी
कानपुर देहात।

पृष्ठॉकन संख्या व दिनॉक–उपरोक्तानुसार।
प्रतिलिपिः–निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

दिया गया है ।यह कार्रवाई ग्राम निवासी श्री श्रीकृष्ण द्वारा की गई शिकायत के आधार पर की गई है, जिसमें आरोप लगाया गया था कि भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत वर्ष 2015 से 2020 तक शौचालय निर्माण कार्य में भारी वित्तीय अनियमितताएं की गई हैं।जांच के लिए जिला कार्यक्रम

स्वराज इंडिया www.swarajindianews.com कानपुर देहात कानपुर शनिवार 16 नवंबर , 2024 08

कागजी लिखा–पढ़ी

स्वच्छ भारत मिशन का ग्रामीण इलाकों में सच

कागजों में ही बने हैं सैकड़ों शौचालय

» पूर्व प्रधान और तत्कालीन सचिव का भ्रष्टाचार बता रहे अधूरे शौचालय

» शौचालय अधूरे बने हुए लेकिन भगुतान में देरी नहीं हुई

» गांवों में भष्टाचार की कहानी खोलेगा स्वराज इंडिया

स्वराज इंडिया विशेष संवाददाता

कानपुर देहात। एक तरफ उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जीरो टॉलरेंस की बात कर रहे हैं लेकिन ये सब कानपुर देहात में फेल सबित हो रहा है। गांव में सैकड़ों शौचालय कागजों में ही बनाकर रकम हजम कर ली गई हैं।

सर्वे रिपोर्ट में हकीकत सामने आने के बाद भी विभाग ने इसकी चिंता नहीं की। स्वच्छता भारत अभियान के तहत जनपद के ग्रामीण क्षेत्रो में शौचालयों का निर्माण कराया गया था। योजना के तहत 2017 में ग्राम प्रधानोंऔर सचिवों को शौचालय बनाने की जिम्मेदारी सौंपी गई। प्रधानों ने भुगतान तो निकाल लिया लेकिन शौचालयों का निर्माण पूरा नहीं किया गया।

नया मामला झींझक ब्लाक के गाऊपुर के मजरा सिगवानार का सामने आया है। यहां डीएम के निर्देश पर एडीओ पंचायत ने जांच की। जांच में एडीओ को एक ही गांव सिगवानार में 18 शौचालय एडीओ पंचायत झीझक को अपूर्ण मिले, एडीओ पंचायत की रिर्पोट का हुआ खुलासा तो हकीकत खुलकर सामने आई। कई गांवों में तो ज्यादातर शौचालय कागजों में ही बने हैं। प्रकरण वर्ष 2017 का है। तब शौचालय का धन ग्राम पंचायत के खातों में आता था। प्रधान और सचिव ठेके पर शौचालय बनवाते थे। हकीकत में इनका निर्माण ही पूरा नहीं हुआ।, रेनू, महावीर, श्रीकृष्ण आदि शिकायत की थी। आरोप है कि शौचालयों का निर्माण तत्कालीन प्रधान सुनील कुमार और सचिव स्नेहलता ने ठेके पर काम कराया था। निर्माण कार्य अधूरा होने की वजह से शौचालय आज तक उपयोग में नहीं आ सके। कही गेट नहीं कही छत नहीं कही टैंक नहीं एडीओ की जांच में रामदेवी रामवीर के शौचालय में दरवाजा नहीं लगा मिला। अजीत के शौचालय में छत नहीं है। रामनारायन, रामकुमार, रामबहादुर आदि के शौचालयों में दरवाजा नहीं लगे है। लज्जाराम, प्रमोद के दरवाजे पर छत नहीं हैं। शिवनरायन के शौचालय में न तो छत है और न ही गड्ढा है। केवल कोठरी बनी सोपीश में खड़ी है। कई बार शिकायत के बाद भी कार्रवाई नहीं हुई। आइजीआरएस में ऑनलाइन शिकायत में फर्जी निस्तारण किया गया है।सर्वे रिपोर्ट मिलने के बाद भी विभाग ने सचिव ओर प्रधान के रिकवरी के लिए कोई प्रयास नहीं किया। यही कारण की जनपद में भष्टाचार फुल रहा है। इस प्रकरण को लेकर डीपीआरओ विकास पटेल से संपर्क किया गया लेकिन बात नहीं हुई।

स्वच्छ भारत मिशन योजना के तहत बने शौचालयों का हाल देखिए

दरवाजा और छत तक नहीं है

अधिकारी डॉ. आर.बी. सिंह एवं ग्रामीण अभियंत्रण विभाग के सहायक अभियंता को नामित किया गया है। आगामी 21 मई 2025 को प्रातः 11:00 बजे पंचायत भवन, ग्राम गाऊपुर में स्थलीय निरीक्षण निर्धारित किया गया है। खंड विकास अधिकारी, झींझक को निर्देशित किया गया है कि ग्राम प्रधान, सचिव, शिकायतकर्ता एवं अन्य संबंधितों को समस्त मूल अभिलेखों सहित उपस्थिति सुनिश्चित कराई जाए।

धांधागर्दी

कानपुर में काला कोट गैंग पर वार

वकीलों की आड़ में जमीन माफियाओं का पर्दाफाश!

» एडवोकेट दीनू उपाध्याय और उसके गैंग पर हत्या, अपहरण, वसूली से लेकर जालसाजी तक के कई गंभीर आरोप

न्यायालय के बाहर 500 लोगों के बाहुबल प्रदर्शन से मचा प्रशासन में हड़कंप

कानपुर पुलिस खंगाल रही गैंग की कुंडली, लग सकती है गैंगस्टर

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। 13 अप्रैल 2025 को दर्ज मुकदमे (धारा 420, 467, 468, 471) में नामजद आरोपी धीरज उपाध्याय उर्फ दीनू उपाध्याय ने 18 अप्रैल को जमानत याचिका के दौरान न्यायालय परिसर को शक्ति प्रदर्शन का अखाड़ा बना डाला। करीब 400-500 वकीलों व बाहरी व्यक्तियों को बुलाकर एडीजे-11 की अदालत के बाहर दबंगई का खुला प्रदर्शन किया गया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ। इस घटना ने कानपुर पुलिस को सक्रिय कर दिया और वरिष्ठ अधिकारियों के स्तर से गोपनीय जांच शुरू हुई। इसके बाद जो खुलासा हुआ, उसने कानपुर के प्रशासनिक तंत्र को झकझोर कर रख दिया।

आपराधिक इतिहास से सनी कानून के रखवालों की काली फेहरिस्त

गोपनीय जांच के अनुसार धीरज उपाध्याय पर 302, 307, 364, 120क्र 7 ष्ट्रएक्ट सहित 6 गंभीर आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। यही नहीं, उसके साथ सक्रिय कई तथाकथित अधिवक्ताओं की भी पूरी गैंग सामने आई है जो विवादित जमीनों की खरीद-फरोख्त, कब्जा, धमकी, वसूली व फर्जी केसों के जरिए मोटी रकम ऐंठने में शामिल हैं। इनमें नीरज दुबे, संजय उपाध्याय, मनु उपाध्याय, दिनेश शुक्ला, सत्येंद्र त्रिवेदी, मनोज निषाद, गोपाल शरण सिंह, अरिदमन सिंह, नारायण भदौरिया जैसे नाम शामिल हैं। कुछ वकील नहीं होते हुए भी काले कोट में घूम रहे दीपक जादौन व साउथ कानपुर इलाके के अंशू ठाकुर जैसे व्यक्ति भी गिरोह के प्रमुख सदस्य हैं, जिन पर पूर्व से कई मुकदमे दर्ज हैं। इस संगठित गिरोह के खिलाफ कोई गवाही देने को तैयार नहीं होता क्योंकि इनकी दबंगई से लोग दहशत में रहते हैं।

हर गतिविधि पर पुलिस की विशेष निगरानी के निर्देश

तत्कालीन अपर पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था श्री हरीश चंदर द्वारा एक आदेश जारी किया गया है जिसमें सभी थानाध्यक्षों को निर्देशित किया गया है कि धीरज उपाध्याय और उसके सहयोगियों की प्रत्येक गतिविधि पर विशेष निगरानी रखी जाए। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि यदि इनके द्वारा कोई भी अवांछनीय गतिविधि की जाती है तो तत्काल कठोर विधिक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। यह रिपोर्ट न केवल कानपुर के गिरते विधि व्यवस्था पर सवाल उठाती है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि कैसे कानून का चोला पहनकर कुछ लोग कानून को ही चुनौती देने लगे हैं। अब देखना यह है कि क्या पुलिस और प्रशासन इस गिरोह पर नकेल कसने में सफल हो पाते हैं, या फिर दबंगई और बाहुबल यूं ही कानून के गाल पर तमाचा मारता रहेगा।

पीएम मोदी का कानपुर आगमन फाइनल

» तैयारियों में जुटा नगर निगम

» 30 मई को पनकी पावर हाउस, मेट्रो रेल का उद्घाटन सहित कई बड़े प्रोजेक्ट का शिलान्यास करेंगे

मुख्य संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 30 मई के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर तैयारियों में नगर निगम जुट गया है। पीएम के रूट का नगर आयुक्त सुधीर कुमार के द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अपर नगर सर्वप्रथम विश्वविद्यालय में हेलीपैड व उसके आसपास का मुआयना किया गया। जिसमें निर्देशित किया गया कि हेलीपैड पर पानी का छिड़काव कराया जाए व मैदान ने उच्च कोटि की सफाई व्यवस्था करी जाए, तत्पश्चात पार्किंग स्थल का निरीक्षण किया गया, जिसमें निर्देश दिए गए तत्काल पानी का छिड़काव कराया जाना सुनिश्चित कराया जाए साथ ही रैप की चौड़ाई सही करी जाए पार्किंग स्थल में मोबाइल टॉयलेट, पीने का पानी व पानी के छिड़काव का कराया जाए।

तत्पश्चात वरुण अपार्टमेंट के पास कूड़ा पड़ा पाया जिसपे कूड़ा तत्काल उठाएं जाने के निर्देश दिए गए साथ ही डोर टू डोर को नोटिस देकर प्रतिदिन कूड़ा उठाया जाए और भविष्य में कभी भी यहां पर कूड़ा ना पाया जाए।

इसके बाद परंपरा मलिन बस्ती में सफाई अभियान का निरीक्षण किया गया, जिसमें जोनल स्वच्छता अधिकारी को निर्देश दिए गए की नाली के पानी किस नाले में जाकर गिर रहा है । तत्पश्चात एनआरआई सिटी में जून 6 में बड़े नाले का निरीक्षण किया गया जहां पर बड़ी जेसीबी द्वारा कर होता पाया गया नगर आयुक्त द्वारा निर्देशित किया गया जो सिल्ट निकाली गई है। उसको तत्काल हटाया जाए।

इसी क्रम में जोन 6 में स्थित ख्योरा वार्ड में नाली सफाई के कार्य का निरीक्षण किया गया। जिसमें निर्देश दिया गया नाली की सफाई कर निर्धारित समय पर कराया जाना पूर्ण कर लिया जाए साथ ही यह भी निर्देश दिए गए की नली का पानी किसी नाले में जाकर गिर रहा है।

इसी के साथ जोन - 5 में स्थित रतन लाल नगर स्थित रफ़ाका नाला का निरीक्षण किया गया , मौके पर पोकलेन मशीन द्वारा कार्य होता पाया गया।

जिसमें फ्लोटिंग रेस्टोरेंट लगाने के निर्देश दिए गए, साथ ही निकल गई सेट को तत्काल हटाया जाना सुनिश्चित कराया जाए जिससे गंदगी रोड पर ना पहले साथी जनमानस के आवागमन में किसी भी तरह से बाधित न हो।

प्रधानमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर डीएम ने की बैठक

यातायात, चिकित्सा सुविधा, पेयजल, स्वच्छता तथा जनसभा स्थल की व्यवस्था सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों की गहन समीक्षा की गई

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर । प्रधानमंत्री के आगामी 30 मई को जनपद में प्रस्तावित जनसभा की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में नवीन सभागार, सरसैया घाट में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनसभा की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए गए।

बैठक के दौरान सुरक्षा, यातायात, चिकित्सा सुविधा, पेयजल, स्वच्छता तथा जनसभा स्थल की व्यवस्था सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों की गहन समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को सौंपे गए दायित्वों को समयबद्ध ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए, ताकि कार्यक्रम का सफल संचालन सुनिश्चित किया जा सके।बैठक में मुख्य विकास अधिकारी दीक्षा जैन, डीसीपी ट्रैफिक रविन्द्र कुमार , मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. हरिदत्त नेमी , समस्त अपर जिलाधिकारी , समस्त उप जिलाधिकारी, अपर नगर मजिस्ट्रेट सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहें।

दिए गए अन्य महत्वपूर्ण निर्देश

सुरक्षा की व्यापक समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी द्वारा संबंधित अधिकारियों को सतर्कता बरतने एवं सभी आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए गए।

यातायात व्यवस्था को निर्बाध बनाए रखने के लिए रूट प्लानिंग और पार्किंग व्यवस्था को प्रभावी रूप से लागू करने के निर्देश दिए गए।

आपातकालीन चिकित्सा सेवा एवं एम्बुलेंस की तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश मुख्य चिकित्सा अधिकारी को दिए गए।

जनसभा स्थल एवं आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता व पेयजल की सुचारु व्यवस्था के लिए आवश्यक कदम उठाने को कहा गया।

जनसभा स्थल की तैयारी की तैयारी के सम्बन्ध में जिलाधिकारी द्वारा पंडाल, मंच, बैठने की व्यवस्था,

ध्वनि व्यवस्था सहित सभी तकनीकी एवं व्यवस्थागत तैयारियों की समय से पूरा करने के निर्देश दिए गए ।

कानपुर चैप्टर को वर्ष 2025 का सर्वश्रेष्ठ चैप्टर घोषित किया गया

» भारत लोक शिक्षा परिषद् संस्था द्वारा वरिष्ठ समाजसेवियों का सम्मान, भव्य समारोह आयोजित किया

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। भारत लोक शिक्षा परिषद् जो कि एकल अभियान के अंतर्गत देश के सुदूर ग्रामीण एवं वनवासी क्षेत्रों में शिक्षा, संस्कार, स्वास्थ्य और ग्राम विकास जैसे क्षेत्रों में उत्कृष्ट सेवा के लिए लगातार कार्य कर रही है। 21 मई 2025 को लैंडमार्क, कानपुर में एक गरिमामयी सम्मान समारोह का आयोजन किया। इस अवसर पर कानपुर चैप्टर को वर्ष 2024–25 के लिए सर्वश्रेष्ठ चैप्टर घोषित किया गया।

इस अवसर पर परिषद् द्वारा समाज सेवा के क्षेत्र में अनुकरणीय योगदान देने वाले प्रमुख सहयोगी एवं प्रेरणादायी विभूतियों में महाशतकवीर सुरेंद्र कुमार गुप्ता (गोल्डी मसाले)

शतकवीर कुंदनलाल भाटिया (फंटियर एलॉय स्टील्स लिमिटेड)

शतकवीर राजकुमार लोहिया (लोहिया ग्रुप)

शतकवीर मुरलीधर ज्ञानचंदानी (घड़ी ग्रुप) शतकवीर रमेश गुप्ता (मयूर ग्रुप) को सम्मानित किया गया।

इन महानुभावों के अलावा अन्य शतकवीर तथा अनगिनत दान दाताओ के सहयोग व नि:स्वार्थ समर्पण और सक्रिय योगदान से कानपुर चैप्टर ने देशभर में अपनी एक विशेष पहचान बनाई है।

कार्यक्रम में परिषद् के वर्ष भर के कार्यों की आकर्षक प्रस्तुति दी गई, जिसमें गाँव–गाँव में शिक्षा का उजियारा फैलाने की यात्राएं, बाल शिक्षा केंद्रों की सफल कहानियाँ, स्वास्थ्य शिविरों की झलकियाँ एवं ग्राम विकास के नवाचार प्रस्तुत किए गए। इस भव्य समारोह में डॉ. अमल प्रसाद , ध्रुव रूड्या , राकेश सूरी , डॉ. अनुराधा वर्षेय सहित अन्य लोगों की उपस्थिति रही। दिल्ली भारत लोक शिक्षा परिषद से पधारे केंद्रीय नेतृत्व से अखिल गुप्ता , नीरज रायजादा, ट्रस्टी उमाशंकर हलवासिया एवं लखनऊ चैप्टर के पदाधिकारी उपस्थित रहे।इन प्रतिष्ठित अतिथियों ने न केवल संस्था के कार्यों की सराहना की, बल्कि अपने उद्बोधनों से उपस्थितजनों को सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति प्रेरित भी किया।

स्वराज इंडिया

www.www.swarajindianews.com.com

वैचारिक मंच

सम्पादकीय

सुरक्षित दूरी, स्वच्छता-सजगता ही उपचार

दुनिया मानकर चल रही थी कोरोना संक्रमण का काला दौर हमेशा-हमेशा के लिये चला गया है। पिछले कुछ वर्षों से जन-जीवन फिर पटरी पर लौट रहा था। विश्व के कुछ क्षेत्रों में जारी युद्ध और अन्य विषम परिस्थितियों के बीच जारी आर्थिक उथल-पुथल के बावजूद अर्थव्यवस्थाएं कोरोना से पहली स्थिति में पहुंचने के लिये जद्दोजहद कर रही थी। लेकिन कोरोना की नई दस्तक ने चिंताएं बढ़ा दी हैं। कोरोना संक्रमण की वापसी की आहट पहले हांगकांग व सिंगापुर में सुनाई दी। हांगकांग में कुछ ही मामलों में तीस लोगों के मरने की खबर है। वहीं सिंगापुर में एक मई तक कोरोना संक्रमितों की संख्या 14 हजार से अधिक थी, जिसमें 19 मई तक तीन हजार नये संक्रमित जुड़ गए हैं। जिस चीन से कोरोना वायरस सारी दुनिया में फैला, वहां भी कोरोना के मामले तो बढ़े हैं लेकिन इस संख्या को सार्वजनिक नहीं किया गया। वहीं चीन का स्वास्थ्य विभाग कोरोना के मामलों में तेजी आने की आशंका जता रहा है। चिंता इस बात की भी है कि भारत में केरल, महाराष्ट्र व तमिलनाडु में कोरोना संक्रमण के मामले दर्ज किए गए। बताया जा रहा है कि एक जनवरी से 19 मई तक देश में ढाई सौ से अधिक संक्रमण के मामले दर्ज किए गए हैं। मुंबई के अस्पताल में भर्ती दो मरीजों की संक्रमण से हुई मौत को लेकर भी चिंता जतायी जा रही है। हालांकि, अस्पताल का दावा है कि एक रोगी कैंसर तो दूसरा किडनी से जुड़ी गंभीर बीमारी से पीड़ित था। बहरहाल, कोरोना के नये वायरस के संक्रमण को लेकर सरकार के स्तर पर गंभीर प्रयास करने तथा नागरिकों को सजग-सतर्क रहने की जरूरत है। कोरोना संक्रमण की पिछली कई लहरों से सबक लेकर उपचारात्मक नीतियों के क्रियान्वयन व चिकित्सा सुविधाओं को विस्तार देने की जरूरत है। इससे पहले कि वायरस अनियंत्रित हो, सरकार व स्वास्थ्य एजेंसियों को बचाव के उपाय युद्ध स्तर पर करने चाहिए।

हालांकि, विश्व स्वास्थ्य संगठन की तरफ से कहा जा रहा है कि इस बार के संक्रमण के लिये ओमिक्रोन के नये वेरिएंट जे.ए.1 तथा वेरिएंट एल.एफ.7 और एन.बी.18 जिम्मेदार हैं। बताया जा रहा है कि जे.एन.1 वेरिएंट बहुत तेजी से फैलता है। विश्व के स्वास्थ्य विशेषज्ञ बता रहे हैं कि नये वेरिएंट से पीड़ित लोगों में गले में खराश, नींद न आना, छींके आना, खांसी, एंग्जाइटी, नाक बहना, खांसी, सिरदर्द, कमजोरी, थकान व मांसपेसियों में दर्द की शिकायत शामिल हो सकती है। हालांकि, इनमें से कुछ आम इंफ्लूएंजा के लक्षण भी हो सकते हैं। ऐसे में कोरोना संक्रमण का टेस्ट करवाना भी जरूरी हो जाता है। वैसा कहना मुश्किल है कि कोरोना का वायरस हमारे बीच से चला गया। वह कहीं गया नहीं बल्कि टीकाकरण से मिली हमारे शरीर की रोगप्रतिरोधक क्षमता ने उसे रोक दिया। लेकिन दिक्कत यह है कि मौसम परिवर्तन चक्र के बीच में म्यूटेशन से इसके नये वेरिएंट सामने आते हैं। जिनका मुकाबला करने व शरीर की रोग प्रतिरोधक शक्ति को इन्हें समझने में थोड़ा वक्त लगता है। निस्संदेह, यह एक चुनौती है, लेकिन इससे घबराने की नहीं, समझदारी और सतर्कता से निपटने की जरूरत है। पिछली कई बड़ी कोरोना संक्रमण की लहरों ने हमें इस संक्रमण से मुकाबले के सबक दिए हैं। एक समय था जब हमारा चिकित्सा ढांचा इसके मुकाबले के लिये तैयार न था। जीवनदायिनी ऑक्सीजन की उत्पादन क्षमता और भंडारण में हम अब आत्मनिर्भर हैं। दुनिया का सबसे बड़ा वैक्सीन अभियान चलाकर हमने 140 करोड़ लोगों को सुरक्षा कवच प्रदान किया है। हमने अपने नागरिकों को ही सुरक्षा कवच नहीं दिया।

लोकलाज के बिना अधूरा ही है लोकराज

विश्वनाथ सचदेव

शालीनता और भद्रता से रहित राजनीति जनतंत्र को बदशक्ल ही बनाती है। जनतंत्र विभिन्न फूलों वाला प्यारा-सा गुलदस्ता है, अमर्यादित आचरण से इस गुलदस्ते की खूबसूरती को नष्ट करने का अवसर और अधिकार किसी को नहीं मिलना चाहिए। किसी भी कीमत पर नहीं।जनतंत्र का एक नाम लोकराज भी है। समाजवादी विचारक डॉक्टर राम मनोहर लोहिया कहा करते थे, 'लोकराज लोकलाज से चलता है।' अर्थात? कुछ मर्यादा है जनतांत्रिक व्यवस्था की जिनका पालन उन सबको करना चाहिए जो इस व्यवस्था को जीते हैं। इन मर्यादाओं में एक महत्वपूर्ण स्थान उस भाषा का है जो हमारे राजनेता काम में लेते हैं। संसद से लेकर सड़क तक आज जो भाषा हमारी राजनीति को परिभाषित कर रही है, वह इस बात का स्पष्ट उदाहरण है कि हमारे राजनेता या तो ऐसी किसी मर्यादा को जानते नहीं हैं, या फिर उसे मानना नहीं चाहते। दोनों ही स्थितियां चिंताजनक हैं। मर्यादाओं का जानना ज़रूरी है और उनका पालन करना भी। दुर्भाग्य से यह दोनों काम नहीं हो रहे।

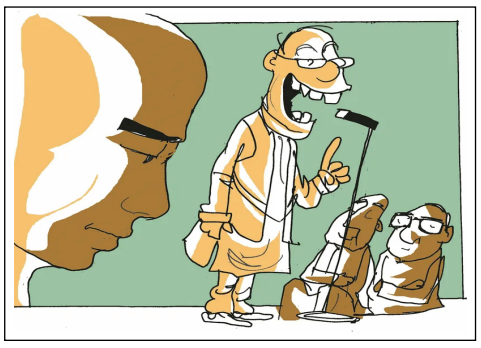

भाषा का सीधा रिश्ता व्यक्ति की सोच से है। जैसी आपकी सोच होगी, वैसे ही भाषा भी होगी। इसलिए जब हमारा कोई नेता घटिया भाषा बोलता है तो निश्चित रूप से उसकी सोच भी उतनी ही घटिया होती है। चिंता की बात तो यह है कि हमारे नेताओं को अपनी घटिया सोच की कोई चिंता नहीं दिखती। उन्हें यह लगता ही नहीं कि वह कुछ ग़लत कर रहे हैं। ऐसे में उनसे किसी प्रकार की लोकलाज की अपेक्षा ही कैसे की जा सकती है? अभी हाल में कांग्रेस के एक बड़े नेता प्रधानमंत्री के लिए तू-तड़ाक की भाषा में बात कर रहे थे। प्रधानमंत्री के संदर्भ में वह कहना चाहते थे कि 'उन्हें इस बात का पता नहीं है', पर उन्हें की जगह उसे कहने में नेताजी को तनिक भी संकोच नहीं हो रहा था। दूसरी तरफ भाजपा के एक सांसद कांग्रेस के इन बड़े नेताजी के संदर्भ में कह रहे थे कि प्रधानमंत्री की तुलना में वह नाली के कीड़े के समान है। यह एक उदाहरण ही इस बात को समझने के लिए पर्याप्त है कि हमारे नेताओं की एक-दूसरे के प्रति सोच कैसी है और हमारी राजनीति का स्तर कितना छोटा होता जा रहा है! यह हमारे नेताओं के बौने होते जाने का उदाहरण भी है और हमारी राजनीति के घटिया स्तर का भी।

अपने राजनीतिक विरोधी की आलोचना करना कतई गलत नहीं है, पर आलोचना और गाली-गलौज में अंतर होता है। लगता है इस अंतर को हमारे नेताओं ने भुला दिया है या फिर याद रखना नहीं चाहते। आज घटिया भाषा हमारी राजनीति का 'नया सामान्य' बन चुकी है। इन नेताओं में प्रतियोगिता इस बात की चल रही है कि लोकलाज की दृष्टि से कौन कितना घटिया है। हाल ही में भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे 'संघर्ष' (युद्ध ही कहना चाहिए इसे) के दौरान हमारी सेनाओं ने जनता को इसकी जानकारी देने के लिए सेना की दो महिला अफसरों को नियुक्त किया था। इनमें से एक महिला मुसलमान थी और यह अनायास नहीं हुआ था। बहुत सोच-समझकर इस महिला सैन्य-अधिकारी को यह काम सौंपा गया था। एक अच्छा उदाहरण था यह इस बात का इस देश का हर नागरिक चाहे वह किसी भी धर्म को मानने वाला हो, आतंकवाद के, और विदेशी हमले के खिलाफ, पहले भारतीय है। लेकिन मध्य प्रदेश के एक मंत्री ऐसा नहीं मानते, इस महिला अधिकारी के लिए उन्होंने जिन शब्दों का उपयोग किया वह कोई भी सभ्य व्यक्ति नहीं करना चाहेगा। लेकिन हमने देखा कि संसद में भी हमारे सांसदों को एक-दूसरे के प्रति घटिया भाषा का इस्तेमाल करने में कोई संकोच नहीं होता। हैरानी की बात तो यह है कि जब एक सांसद महोदय सदन में घटिया भाषा में बोल रहे थे तो वहां उपस्थित पार्टी के बड़े नेताओं में से किसी ने भी उन्हें रोकने की आवश्यकता अनुभव नहीं की! और सेना की महिला-प्रवक्ता के संदर्भ में भी घटिया भाषा और घटिया सोच वाले यह मंत्री जी अभी तक अपने पद पर बने हुए हैं। न उन्होंने इस्तीफा दिया है, न उनसे इस्तीफा मांगा गया है। भाजपा के नेतृत्व ने यह कहकर इस शर्मनाक कांड से पल्ला झाड़ लिया है कि अब मामला न्यायालय में है, इसलिए इस बारे में कुछ नहीं कहना चाहिए! हैरानी की बात तो यह है कि देशभर में इस मंत्री महोदय की थू-थू हो रही है, पर फिर भी भाजपा का नेतृत्व इस आवाज़ को सुन

भारत की जल कूटनीति से पाकिस्तान लाचार

सिंधु संधि स्थगन

ज्ञानेन्द्र रावत

भारत ने पाकिस्तान को जाने वाले पानी को नियंत्रित करने के साथ ही नदियों से संबंधित डाटा भी साझा करना बंद कर दिया है। प्रधानमंत्री स्पष्ट कर चुके हैं कि 1965, 1971 और कारगिल युद्ध के बावजूद भारत ने सिंधु जल संधि का सम्मान किया लेकिन अब भारत इस पर कोई समझौता नहीं करेगा।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत द्वारा सिंधु जल समझौते को स्थगित करने का निर्णय अब पाकिस्तान पर भारी पड़ने लगा है। हालांकि, भारत-पाकिस्तान के बीच सीज़फायर के निर्णय के बाद सैन्य अभियानों पर अस्थायी विराम लगा है, लेकिन पहलगाम में हुए आतंकी हमले के पश्चात भारत द्वारा पाकिस्तान के खिलाफ उठाए गए कई निर्णय और प्रतिबंध यथावत? लागू हैं। इन निर्णयों में सिंधु जल समझौते को स्थगित करना, पाकिस्तान को निर्यात पर रोक, वीज़ा प्रतिबंध तथा राजनयिक संबंधों में कटौती जैसे कदम शामिल हैं।

दरअसल, सीज़फायर के बावजूद पाकिस्तान की समस्याएं कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। सबसे बड़ी चुनौती सिंधु जल समझौते के स्थगन को लेकर है, क्योंकि अब भारत इन नदियों के जल प्रवाह को अपनी इच्छानुसार नियंत्रित कर सकता है — चाहे तो जल रोके या छोड़े। यह एक निर्विवाद सत्य है कि सिंधु जल समझौते के अंतर्गत सिंधु बेसिन की तीन प्रमुख नदियां— झेलम, चिनाब और सिंधु— का लगभग 80 प्रतिशत जल पाकिस्तान को मिलता था, जबकि भारत को केवल 19.5 प्रतिशत जल प्राप्त होता था।उल्लेखनीय है कि भारत अपने हिस्से के जल का भी लगभग 90 प्रतिशत ही उपयोग करता था। लेकिन सिंधु जल

समझौते के स्थगन के बाद भारत ने अपने हिस्से के जल को पूरी तरह रोकना शुरू कर दिया। इसके साथ ही, जब भारत के बांधों में जल स्तर बढ़ता है, तो वह बिना किसी पूर्व सूचना के अतिरिक्त जल छोड़ देता है। पाकिस्तान की कृषि, पेयजल आपूर्ति और उसकी अर्थव्यवस्था का एक बड़ा हिस्सा सिंधु बेसिन से बहने वाली नदियों पर निर्भर है। सिंधु बेसिन की छह प्रमुख नदियां पाकिस्तान में प्रवेश करती हैं— जिनमें तीन पूर्वी प्रवाह वाली नदियां हैं सतलुज, ब्यास और रावी और तीन पश्चिमी प्रवाह वाली नदियां हैं झेलम, चिनाब और सिंधु। इनमें से पश्चिमी प्रवाह वाली नदियों— झेलम, चिनाब और सिंधु— का अधिकांश जल पहले पाकिस्तान को मिलता था। लेकिन सिंधु जल समझौते के स्थगन के बाद भारत अब इन नदियों के जल को रोक रहा है। परिणामस्वरूप, पाकिस्तान की कृषि व्यवस्था ही नहीं, अन्य महत्वपूर्ण कार्यकलाप भी बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं।भारत सरकार ने पाकिस्तान के साथ सीमा पर संघर्षविराम का जो निर्णय लिया है, उसके बहुतेरे अंतर्राष्ट्रीय कारण हैं। यह स्थिति चूंकि पाकिस्तान द्वारा लाई गयी थी, इसलिए इस मसले पर पाकिस्तान के पीछे हटने पर भारत को सीजफायर मानना पड़ा। अब भारत, सिंधु जल समझौते को स्थगित करने से मिली अनुकूल परिस्थितियों का लाभ उठायेगा जो स्वाभाविक है। वहीं भारत, स्पष्ट कर चुका है कि आपरेशन सिंदूर केवल स्थगित किया गया है, खत्म नहीं। प्रधानमंत्री भी कह चुके हैं कि खून और पानी एक साथ नहीं बह सकता। फिलहाल भारत सरकार सिंधु जल समझौता बहाल करने को तैयार नहीं है।

गौरतलब है कि पाकिस्तान ने इस मुद्दे को विश्व बैंक ले जाने का प्रयास किया था लेकिन वहां पाकिस्तान को मुंह की खानी पड़ी है। विश्व बैंक ने स्पष्ट कर दिया है कि वह इस मसले में एक मध्यस्थ की भूमिका में था। इसके आगे विश्व बैंक की कोई भूमिका नहीं है। पाकिस्तान अब इस मसले को संयुक्त राष्ट्र ले जाने की तैयारी में लगा है। भारत स्पष्ट कर चुका है कि उसने समझौते के प्रारूप के तहत ही समझौते के स्थगन का कदम उठाया है। पाकिस्तान का इस संदर्भ में कहना है कि अगर सिंधु जल समझौते को भारत द्वारा खत्म किया जाता है और उसकी तरफ आने वाले पानी को रोका जाता है तो वह इसे युद्ध मानेगा।

गोविंदपुरी: एनसीआर के पहले पिंक स्टेशन का पीएम मोदी ने किया वर्चुअल उद्घाटन

25.5 करोड़ की लागत से हुआ है गोविंदपुरी का पुनर्विकास पूर्ण

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। उत्तर मध्य रेलवे का पहला पिंक (महिला) स्टेशन, गोविंदपुरी, आधुनिक यात्री सुविधाओं से सुसज्जित होकर तैयार है। 25.5 करोड़ रुपये की लागत से पूर्ण इस स्टेशन के पुनर्विकास कार्य का वर्चुअल लोकार्पण आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया गया। इस अवसर पर सांसद रमेश अवस्थी, सांसद देवेंद्र सिंह भोले, विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, महापौर प्रमिला पाण्डेय, मंत्री प्रतिभा शुक्ला, जिलापंचायत अध्यक्ष स्वप्निल वरुण, विधायक सुरेंद्र मैथानी, एमएलसी अरुण पाठक, जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह, अनिल त्रिपाठी, पूर्व विधायक रघुनंदन सिंह भदौरिया सहित कई वरिष्ठ भाजपा नेता उपस्थित रहे।

कानपुर दक्षिण के लिए अनमोल उपहार

डिप्टी सीटीएम आशुतोष सिंह ने बताया कि गोविंदपुरी स्टेशन दक्षिण कानपुर की जनता के लिए एक अनमोल तोहफा साबित होगा। यह स्टेशन दक्षिण क्षेत्र के यात्रियों के लिए सुगम और आरामदायक रेल यात्रा का केंद्र बनेगा।

स्टेशन की प्रमुख विशेषताएं

12 मीटर चौड़ा फुट ओवर ब्रिज- स्टेशन पर निर्मित 12 मीटर चौड़ा फुट ओवर ब्रिज यात्रियों की आवाजाही को सुगम बनाएगा। वर्तमान में यह ब्रिज प्लेटफॉर्म 1 से 3 तक कनेक्ट करता है, और भविष्य में फजलगंज इंडस्ट्रियल क्षेत्र से कनेक्टिविटी के लिए इसकी लंबाई बढ़ाई जाएगी।

25 कोच की ट्रेनों के लिए प्लेटफॉर्म

स्टेशन के प्लेटफॉर्म को 25 कोचों की लंबी ट्रेनों के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिससे लंबी दूरी की ट्रेनें भी आसानी से रुक सकेंगी।

आधुनिक सुविधाएं

स्टेशन पर एक्जीक्यूटिव लाउंज, कैफेटेरिया, आधुनिक फसाड लाइटिंग, सर्कुलेटिंग एरिया, टिकट काउंटर, वेटिंग हॉल, डॉरमेट्री-रिटायरिंग रूम, वाहन पार्किंग, स्टेशन कॉरिडोर, दिव्यांगजन सुविधाएं और आकर्षक चित्रकारी जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं।

कानपुर सेंट्रल का लोड कम करने की योजना

गोविंदपुरी स्टेशन के पुनर्विकास से कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर यात्री भार कम होगा। इसके अतिरिक्त, गोविंदपुरी और सेंट्रल स्टेशन के बीच जीएमसी यार्ड पर रोड साइड स्टेशन बनाने की डीपीआर तैयार हो चुकी है। यह स्टेशन परमपुरवा और जूही खलवा पुल से कनेक्ट होगा, जिससे दोनों दिशाओं से यात्रियों को सुविधा मिलेगी।

अमृत भारत योजना के तहत शिलान्यास से लोकार्पण तक

26 फरवरी 2024 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमृत भारत योजना के तहत गोविंदपुरी, अनवरगंज और पनकी धाम स्टेशनों का शिलान्यास किया था। मात्र 15 महीनों में गोविंदपुरी स्टेशन का पुनर्विकास कार्य पूर्ण होकर आज लोकार्पण के लिए तैयार हुआ, जो एक उल्लेखनीय उपलब्धि है।

समारोह में ऑपरेशन सिंदूर की गूंज

22 मई को गोविंदपुरी स्टेशन पर आयोजित समारोह की थीम शौर्य और राष्ट्रभक्ति पर आधारित थी। यह थीम ऑपरेशन सिंदूर की सफलता और सेना के पराक्रम को समर्पित थी, जिसने समारोह में विशेष उत्साह का संचार किया।

नया अध्याय, नई सुविधाएं

गोविंदपुरी स्टेशन का पुनर्विकास न केवल कानपुर दक्षिण के लिए, बल्कि उत्तर मध्य रेलवे के लिए भी एक मील का पत्थर है। यह स्टेशन आधुनिकता, सुविधा और महिला सशक्तीकरण का प्रतीक बनकर उभरा है।

परिषदीय स्कूलों में बच्चों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए और सख्ती होगी

स्कूलों में ड्रॉपआउट दर को कम करने के लिए सरकार सख्त

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। उत्तर प्रदेश सरकार ने परिषदीय स्कूलों में ड्रॉपआउट की संख्या कम करने के लिए कुछ निर्देश जारी किए हैं। इन निर्देशों के अनुसार अगर कोई छात्र 30 दिनों से अधिक समय तक स्कूल से अनुपस्थित रहता है तो उसे अति संभावित ड्रॉपआउट की श्रेणी में रखा जाएगा। ऐसे छात्रों को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा, खासकर यदि वे परीक्षा में 35 फीसदी से कम अंक प्राप्त करते हैं। उत्तर प्रदेश सरकार ने ड्रॉपआउट छात्रों को फिर से स्कूल में लाने के लिए शारदा योजना शुरू की है। इस योजना के तहत सरकार ड्रॉपआउट छात्रों को स्कूल में वापस लाने के लिए स्कूलों को प्रति छात्र 860 रुपये देगी। शिक्षक घर-घर जाकर बच्चों के माता-पिता को स्कूली शिक्षा के महत्व के बारे में जागरूक करेंगे और बच्चों को वापस स्कूल भेजने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।

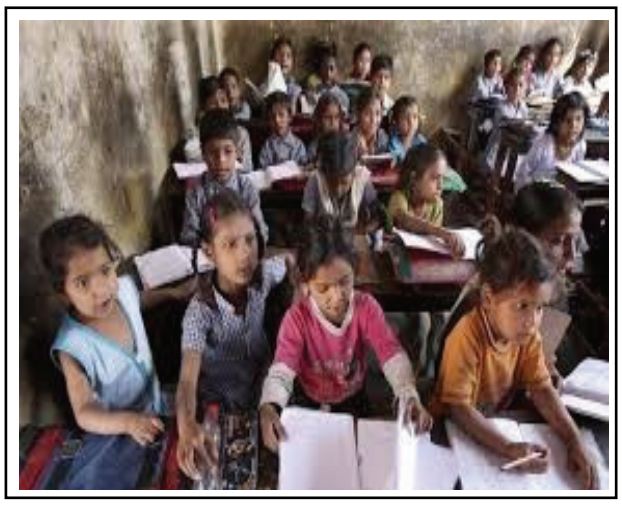

राज्य के सभी बेसिक शिक्षा अधिकारियों को 31 अगस्त तक स्कूल छोड़ चुके बच्चों की जानकारी बेसिक शिक्षा

विभाग को देने का आदेश दिया गया है। अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार ने इस संबंध में सभी जिलाधिकारियों को आदेश जारी कर दिए हैं। आदेश के अनुसार अगर कोई छात्र बिना बताए लगातार 3 दिन स्कूल नहीं आता है तो शिक्षकों की एक टोली उसके घर जाकर संपर्क करेगी, अगर अनुपस्थिति 6 दिन से ज्यादा हो जाती है तो प्रिंसिपल खुद छात्र के घर जाकर संपर्क करेंगे और उसके लौटने तक लगातार फॉलोअप किया जाएगा। लगातार स्कूलों में गैरहाजिर रहने वाले छात्रों की पढ़ाई में होने वाले नुकसान की भरपाई के लिए स्पेशल क्लासेस चलाई जाएंगी। साथ ही जिन छात्रों की अनुपस्थिति एक माह में 6 दिन, तिमाही में 10 दिन या छह महीने में 15 दिन से ज्यादा है तो उनके पेरेंट्स की काउंसलिंग पीटीएम के दौरान की जाएगी।

अगर कोई छात्र 9 महीने में 21 दिन या पूरे शैक्षणिक सत्र में 30 दिन से अधिक स्कूल से गैरहाजिर रहता है तो उसे 'अति संभावित ड्रॉपआउट' की श्रेणी में रखा जाएगा। ऐसे छात्रों को स्पेशल ट्रेनिंग देने की व्यवस्था की जाएगी, खासकर तब जब वे परीक्षा में 35 फीसदी से कम अंक हासिल करेंगे। सरकार की तरफ से ड्रॉप आउट की समस्या से निपटने के लिए शुरू की गई एक गंभीर पहल मानी जा रही है। इससे छात्रों की शिक्षा में निरंतरता को बनाए रखने में मदद मिलेगी। इसके अलावा शिक्षा की गुणवत्ता और बच्चों के प्रदर्शन को भी बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।

बेसिक शिक्षा निदेशालय में पति-पत्नी शिक्षकों ने दिया धरना

कहा बिना शर्त ट्रांसफर दीजिए, शादीशुदा जिंदगी पर पड़ रहा भारी असर

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ/कानपुर। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में सैकड़ों की तादाद में पति-पत्नी शिक्षकों ने अपनी मांगों को लेकर एक दिवसीय धरना दिया है। निशातगंज स्थित शिक्षा निदेशालय पर बड़ी संख्या में उमड़े शिक्षकों ने अपनी मांगों को लेकर ज्ञापन दिया। शिक्षकों का कहना है कि दंपती शिक्षकों की तैनाती अलग-अलग जिलों में होने के कारण कई दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में उनकी मांग है कि ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान पति-पत्नी शिक्षकों को बिना शर्त अंतर्जनपदीय स्थानांतरण का उन्हें लाभ दिया जाए।

शिक्षकों के प्रदर्शन को देखते हुए शिक्षा महानिदेशक कंचन वर्मा ने मंगलवार दोपहर 2 बजे के करीब धरनारत शिक्षकों के एक प्रतिनिधिमंडल को बातचीत के लिए बुलाया था। शिक्षकों के प्रतिनिधिमंडल ने महानिदेशक को बताया कि वें 10 साल से बेसिक शिक्षा परिषद के अंतर्गत अलग-अलग जिलों में तैनात है जबकि उनके जीवनसाथी भी परिषद या अन्य शासकीय सेवाओं में काम कर रहे हैं हालांकि तैनाती अलग-अलग जिलों में होने के कारण उन्हें कई तरह की पारिवारिक और मानसिक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

शादीशुदा जिंदगी पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा है। शिक्षकों ने बताया कि विगत दो स्थानांतरण नीतियों में पति-पत्नी को एक साथ तैनात करने के लिए भारांक का प्रावधान था लेकिन इसके बावजूद अधिकांश शिक्षकों को इस श्रेणी में लाभ नहीं मिल सका है। उन्होंने कहा कि अलग-अलग जिलों में होने के कारण बच्चों की देखभाल, बुजुर्ग माता-पिता का इलाज और दांपत्य जीवन पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा है। प्रतिनिधिमंडल ने आग्रह किया कि गर्मी की छुट्टियों के दौरान बिना किसी शर्त के अंतर्जनपदीय स्थानांतरण कर दिया जाए ताकि शिक्षक परिवारिक स्थायित्व के साथ मनोयोग से काम कर सकें।

स्थानांतरण नीति जारी करने पर जोर

महानिदेशक कंचन वर्मा ने शिक्षकों की बातों को ध्यानपूर्वक सुना और आश्वासन दिया कि उनकी मांगों को शासन स्तर तक पहुंचाया जाएगा। साथ ही कहा कि जल्द ही इस पर निर्णय लिया जाएगा हालांकि शिक्षा निदेशक का रुख इस मुद्दे पर स्पष्ट नहीं रहा।

वहीं महानिदेशक ने शिक्षकों को दस दिन बाद पुनः मिलने के लिए बुलाया है। प्रतिनिधियों ने स्पष्ट किया कि अगर दस दिन के भीतर स्थानांतरण नीति जारी नहीं होती है तो वे अनिश्चितकालीन धरने पर बैठने को बाध्य होंगे। धरने में बड़ी संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे और शांतिपूर्ण ढंग से अपनी मांगें रखीं।

नर्स की लापरवाही से नवजात की मौत

- सीजर के स्थान पर लापरवाही से करा दी नर्स ने नार्मल डिलीवरी
- मां के आंचल में आने से पहले ही थम गई ज्योति के नवजात शिशु की किलकारी
- गंभीर हालत में मेडिकल कालेज में हो रहा ज्योति का उपचार
- सत्ताधारी नेता के दबाव में सीएमओ ने जांच के कराने किया किनारा

स्वराज इंडिया संवाददाता

अयोध्या। हर महिला की एक चाहत होती है, कि वह मां बने। उसके आंचल में भी एक लाल आए,उसका आंगन भी बच्चे की किलकारियां गूंजे। किन्तु ज्योति का इस हसरत को पाने का सपना तो टूट ही गया, साथ ही अस्पताल में मिली यातना ने इतना तोड़ दिया कि शायद ज्योति अब मां बनने का कभी सपना भी देखकर सिहर उठे । राजर्षि दशरथ मेडिकल कालेज के बेड पर पड़ी ज्योति प्रसव के दौरान मिले दर्द से राहत पाने के लिए उपचार करा रही है।

यह किसी उपन्यास का कथानक नहीं बल्कि एक हकीकत है। ऐसा मामला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सोहावल पर देखने को मिला है। जिसमें स्टाफ नर्स की लापरवाही से एक और दंपति अपने नवजात शिशु से हाथ धो बैठा। पीड़ित ने इसकी शिकायत मुख्य चिकित्सा अधिकारी सुशील कुमार बनियान से करते हुए दोषी स्टाफ नर्स के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की मांग की है। किन्तु 13 मई को घटिया इस घटना में अब तक सीएमओ की ओर से जांच कराना तो दूर, लापरवाह संविदा की स्टाफ नर्स ने सीएचसी अधीक्षक की ओर सै मांगे गए स्पष्टीकरण का जवाब तक नहीं दिया। एक ओर ज्योती जीवन पाने के लिए जूझ रही है, वहीं सत्ता से जुड़े एक नेता के दबाव में सीएमओ ने पीड़ित की मांग पर खामोशी साध ली है।

घटना क्रम के अनुसार सीएमओ को दिए गए शिकायती पत्र में अजीत मौर्य निवासी पूरे मुरावन का पुरवा मोइयाकपूरपुर ने आरोप लगाया है कि पिछले 13 मई को हमारी पत्नी ज्योति मौर्या प्रसव पीड़ा से परेशान थी। जिसको आशा बहू के साथ लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सोहावल पहुंचे।

जहां स्टाफ नर्स गरिमा गुप्ता मिली और प्रसूता की जांच पड़ताल कर कहा कि नॉर्मल डिलीवरी हो जाएगी और उन्होंने सीएचसी में भर्ती कर दिया। स्टाफ नर्स ने रात भर पीड़ित की पत्नी को नॉर्मल प्रसव के लिए परेशान किया और 14 मई को भोर लगभग 4 बजे बताया कि बच्चा फंस गया है।

आरोप है कि प्रसूता के पति द्वारा बार-बार कहा जाता रहा कि या तो मेरी पत्नी को जिला अस्पताल रेफर कर दो या सीजर कराओ। लेकिन किसी की नहीं सुनी गई।

सुबह पांच बजे बताया गया कि आपका बच्चा मरा पैदा हुआ है। पीड़ित काकहना है इस मामले में स्टाफ नर्स की घोर लापरवाही के कारण जच्चा की गोद सुनी हुई है। जिसके कारण हमारी पत्नी आज तक अवसाद में जी रही है।

सीएमओ ने की जांच के नाम पर खानापूरी

मुख्य चिकित्सा अधिकारी सुनील कुमार बनियान ने बताया कि शिकायती पत्र मिला है। जांच की जा रही है। मामले में दोषी के ऊपर विभागीय कार्रवाई जरूर की जाएगी। किन्तु अब तक कोई कारवाई नहीं की। इस सम्बन्ध में चर्चा है कि एक सत्ताधारी पार्टी के नेता के दबाव में सीएमओ को ज्योति की वेदना सुनाई नहीं दे रही है।

सीएमओ अयोध्या

तीन बहनों समेत चार बच्चियों की डूबने से मौत

प्रतापगढ़। चूल्हे की मिट्टी लेने के लिए गईं चार बच्चियों की बकुलाही नदी में डूबने से मौत हो गई। इसमें तीन सगी बहने हैं, जबकि एक चचेरी बहन है। घटना से परिवार में कोहराम मच गया है। सूचना पाकर तमाम पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। ग्रामीणों का यह भी आरोप है कि कुछ लोग जेसीबी से नदी की मिट्टी बेचने के लिए खोदवाई थी। इससे लोगों में आक्रोश है।महेशगंज थाना क्षेत्र के डिहवा जलालपुर की रहने वाली तीन सगी बहनों समेत पड़ोस की बालिका की बृहस्पतिवार की सुबह करीब दस बजे बकुलाही नदी में डूबने से मौत हो गई। यह बच्चियां चूल्हा व घर में लेप लगाने के लिए मिट्टी निकालते के लिए गई थीं। मिट्टी लेते समय गहरे पानी में डूबने से इनकी मौत हो गई। घटनास्थल कुंडा कोतवाली के चेती सिंह का पुरवा है।

साथ गई बालिका के शोर मचाने पर गांव के लोग पहुंचे और नदी में डूबी स्वाति (13), संध्या (11) और चांदनी (6) पुत्री जीतलाल और प्रियांशी (7) पुत्री पृथ्वीपाल को बाहर निकाला। तब तक उनकी सांसें थम चुकी थीं।परिजन शव लेकर घर चले गए। सूचना मिलने पर महेशगंज व कुंडा पुलिस मौके पर पहुंची। कुछ देर बाद नायब तहसीलदार अजय सिंह भी राजस्व विभाग की टीम लेकर मौके पर पहुंचे। तीन बहनों समेत चार की मौत से पूरे गांव में कोहराम मचा हुआ है। ग्रामीणों का यह भी आरोप है कि कुछ लोगों ने मिट्टी बेचने के लिए जेसीबी से नदी की खुदाई करवाई थी। जिसके कारण कई जगह गड्ढे हो गए हैं। यही गड्ढे बच्चियों के लिए काल साबित हुए। इसको लेकर लोगों में गहरा आक्रोश है। कुंडा विधायक और जनसत्ता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजाभैया ने गांव में पहुंचकर परिजनों को सांत्वना दी। एसपी डॉ. अनिल कुमार ने भी घटनास्थल का दौरा किया।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादक:** अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

देहात: किसान दिवस में उठी समस्याओं को लेकर आवाजें

माती विकास भवन में हुआ किसान दिवस का आयोजन, योजनाओं की दी गई जानकारी, किसानों की समस्याएं सुनी गईं

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। जिलाधिकारी आलोक सिंह के निर्देशन में आयोजित किसान दिवस का शुभारंभ उप कृषि निदेशक राम बचन राम ने अधिकारियों, किसान संगठनों व प्रगतिशील किसानों के स्वागत के साथ किया। उन्होंने किसानों को कृषि विभाग द्वारा दी जाने वाली अनुदान योजनाएं जैसे बीज वितरण, जैविक खेती, कृषि यंत्रीकरण, पीएम किसान सम्मान निधि, किसान क्रेडिट कार्ड, कृषि इंफ्रास्ट्रक्चर फंड आदि की जानकारी दी। विशेष रूप से एग्री स्टैक के अंतर्गत चलाई जा रही फार्मर रजिस्ट्री पर जोर देते हुए बताया गया कि आधार कार्ड, मोबाइल नंबर और भूमि अभिलेख के साथ जन सेवा केंद्र पर पंजीकरण आवश्यक है, ताकि अगली किस्तों व अन्य लाभों में बाधा न आए। इसके माध्यम से किसानों को फसल बीमा, आपदा राहत और सरकारी योजनाओं का लाभ सरलता से मिलेगा।

वैज्ञानिकों से सलाह, गर्मी में मवेशियों और खेती पर सुझाव

कृषि वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने मृदा परीक्षण की उपयोगिता और नमूना लेने की विधि समझाई। उन्होंने मृदा में सूक्ष्म पोषक तत्वों के संतुलन और हरी खाद के लाभों पर जोर दिया।

पशु वैज्ञानिक डॉ. शशि कान्त ने गर्मियों में मवेशियों की देखरेख के टिप्स दिए—प्रत्येक घंटे 3 लीटर पानी पिलाना, नमक-आटा मिश्रित घोल देना और उन्हें छायादार स्थानों पर रखना प्रमुख था। जिला कृषि अधिकारी ने खरपतवार नियंत्रण, संतुलित उर्वरक प्रयोग व गर्मियों में किसान स्वयं भी सुरक्षित रहें, इस पर सुझाव दिए।

किसानों की समस्याएं, समाधान का आश्वासन-

फसल बीमा योजना के जिला प्रबंधक मनीष सिंह ने पशुधन बीमा की जानकारी देते हुए बताया कि किसान अब भैंस, गाय, बकरी जैसे पशुओं का बीमा भी कर सकते हैं। ग्राम असुवापुर से आए प्रगतिशील किसान ऋषि अग्निहोत्री ने बिजली की अनियमित आपूर्ति के कारण फसल सिंचाई में आ रही परेशानी पर सवाल उठाया, जिस पर विद्युत विभाग के अधिशासी अभियंता ने शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जिला पंचायत के अपर मुख्य अधिकारी सुरेश कुमार ने किसानों से समूह बनाकर खेती करने की सलाह दी ताकि लागत घटे और आय में वृद्धि हो। किसान दिवस में कृषि विभाग, उद्यान, मत्स्य, नलकूप और बैंकिंग क्षेत्र के अधिकारी भी मौजूद रहे। लगभग 55 किसानों ने प्रतिभाग किया और कार्यक्रम का समापन धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।

प्राथमिक शिक्षक संघ की जनपद स्तरीय बैठक सम्पन्न

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर देहात। उत्तर प्रदेशीय अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ की बैठक एल बी सिंह की अध्यक्षता में बीआरसी अकबरपुर में संपन्न हुई। बैठक में संगठन को मजबूत एवं सशक्त करने हेतु संगठन के सभी विकासखंडों के अध्यक्ष, मंत्री सहित जनपद के समस्त पदाधिकारियों ने अपने विचार रखें और यह तय किया कि शिक्षक एवं छात्र हित में संगठन द्वारा जो भी संभव होगा उसमें संगठन एकजुट होकर ब्लॉक एवं जनपद के गौरव को बढ़ाएगा, सभी दसों विकासखंड में सदस्यता अभियान चलाकर सभी शिक्षक और शिक्षकों को संघ से जोड़ने का कार्य किया जाएगा।

संगठन के समस्त ब्लॉक और जनपद पदाधिकारियों ने यह भी तय किया कि संगठन का विस्तार करते हुए न्याय पंचायत स्तर से संगठन को प्रारंभ करके प्रदेश स्तर तक छात्र और शिक्षक हित में विद्यालय व्यवस्थाओं में जो भी सहयोग करने की जरूरत होगी निश्चित रूप से किया जाएगा। जिला मंत्री अशोक कुमार शुक्ला ने अपने संबोधन में संगठन को यह आश्वासन दिया कि परेशान और समस्या से ग्रसित शिक्षक की किसी भी समस्या के निदान के लिए कार्यालय से न्यायालय तक की लड़ाई खुले मन से लड़ी जाएगी। मैं सदैव शिक्षकों के हित में खड़ा रहूंगा। बैठक में 10 सूत्री मांग पत्र को पढ़कर सभी सदस्यों को अवगत कराया गया जिसके महत्वपूर्ण बिंदु चयन वेतनमान का निस्तारण शत प्रतिशत कराने, ग्रीष्मकालीन अवकाश के उपरांत प्रत्येक विद्यालय में सफाई कर्मी लगाए जाने, परिषदीय विद्यालयों में कार्यरत रसोइयों का मानदेय नियमित रूप से भुगतान करने, मिड डे मील योजना के विधिवत एवं गुणवत्तापूर्ण संचालन हेतु कोटेदार द्वारा खाद्यान्न विद्यालय में समय से पहुंचने, शिक्षकों के वेतन कटौती संबंधी कार्यवाही जैसे एक दिन का वेतन, अग्रिम आदेशों तक रोका गया, रोकी गई वेतन वृद्धियां आदि को समाप्त करते हुए आख्या पूर्ण होते ही बहाली आदेश निर्गत कराने, समर कैंप पर पुनर्विचार करते हुए स्थगित करने तथा मौसम की विपरीत स्थितियों को उच्च अधिकारियों को अवगत कराने, जनपद में निलंबित सभी शिक्षकों की बहाली करवाने, 31 मार्च 2025 को सेवानिवृत शिक्षकों के समस्त देयक का भुगतान अति शीघ्र करवाने, परिषदीय विद्यालयों में प्राप्त / प्रेषित धनराशि का संपूर्ण विवरण खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय के द्वारा समस्त विद्यालयों के इंचार्ज प्रधानाध्यापक एवं प्रधानाध्यापकों को व्हाट्सएप ग्रुप के साथ-साथ मासिक मीटिंग में विस्तृत जानकारी देने, लेखा कार्यालय द्वारा अभी तक भविष्य निधि की लेखा पर्चियां का शत प्रतिशत वितरण न होने के कारण लेखा कार्यालय को शत प्रतिशत वितरण का आदेश दिए जाने के संबंध में ज्ञापन के माध्यम से जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अजय कुमार मिश्रा को सौंपा गया। इस बैठक में संगठन के जिलाध्यक्ष एल.बी. सिंह जिला मंत्री अशोक कुमार शुक्ला जिला कोषाध्यक्ष देवेंद्र सिंह सचान, जिला उपाध्यक्ष रामनिवास तिवारी मनजीत सिंह सचान संयुक्त मंत्री सुरेंद्र कटियार, अजीत कटियार अचलेश मिश्रा आशीष राजपूत सुशील त्रिवेदी मीरा सोनकर सुरेश कमल सुरेश राठौर मुकेश बाजपेई शशिकांत यादव महेंद्र कटियार रामसेवक पाल सतीश यादव महेंद्र प्रताप सिंह श्रीपाल बघेल संगीता यादव मंजू यादव ममता वर्मा संजू कुमारी चंद्रपाल सुशील कुमार प्रशांत गुप्ता विमल कुमार यादव मधुकर कटियार दिनेश शुक्ला रूपेंद्र सिंह कटियार विनय कुमार शुक्ला सुरेश चंद्र असीम कटियार अश्वनी कुमार सचान दिनेश शुक्ला आदित्य त्रिवेदी सत्येंद्र सिंह रामनरेश दिनेश दीक्षित सुशील कुमार ज्ञान प्रकाश मिश्रा शैलेंद्र यादव दिनेश दीक्षित अनिल कुमार सिंह सहित सभी विकासखंडों के ब्लॉक स्तरीय पदाधिकारी एवं जनपद स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे।

लखनऊ एसटीएफ की बाराबंकी में बदमाशों से मुठभेड़

» दावा है कि मुठभेड़ में एक लाख रुपए का इनामिया बदमाश गोली लगने से घायल हो गया । उसके दो साथी मौके से भाग निकले

आरोपी

स्वराज इंडिया संवाददाता

रामनगर(बाराबंकी)। लखनऊ एसटीएफ की टीम की बदमाशों के साथ हुई मुठभेड़ में एक लाख रुपए का इनामिया बदमाश गोली लगने से घायल हो गया । उसके दो साथी मौके से भाग निकले घायल हुआ बदमाश डकैतों के गिरोह का सरगना था। और डकैती के मुकदमे में वांछित चल रहा था। गोंडा पुलिस के द्वारा उसके ऊपर एक लाख रुपए का इनाम घोषित किया गया था उसके ऊपर करीब 75 मुकदमे दर्ज हैं। बदमाशों के कब्जे से एसटीएफ टीम ने एक राइफल एक बंदूक एक पिस्तौल बरामद की है। इसके एक साथी दो दिन पूर्व गोंडा पुलिस ने मुठभेड़ में मार गिराया था।

पुलिस के मुताबिक 25/26अप्रैल की रात गोंडा जनपद के उमरी बेगमगंज थाना क्षेत्र के डिक्सिर गांव में डकैती की घटना को अंजाम दिया गया था वारदात के दौरान बदमाशों के द्वारा एक 22 वर्ष के युवक की हत्या कर दी गई थी। इस वारदात में ज्ञानचंद पासवान पुत्र शिव बहादुर पासवान निवासी राजापुर थाना परसपुर गोंडा के गिरोह का नाम प्रकाश में आया था। बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए लखनऊ एसटीएफ की टीम लगाई गई थी बुधवार की शाम एसटीएफ को चौकाघाट रेलवे स्टेशन के सामने से लहडरा जाने वाले मार्ग के किनारे जंगल में बदमाशों के छिपे होने की सूचना मिली जिस पर निरीक्षक अरुण कुमार सिंह ने अपनी टीम के साथ घेराबंदी की।बदमाशों ने पुलिस की भनक लगते ही फायरिंग शुरू कर दी एसटीएफ के द्वारा की गई जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश को गोली लगी जबकि दो मौके से भाग निकले।

घायल बदमाश की पहचान ज्ञानचंद पासवान के रूप में की गई। पुलिस के मुताबिक घायल बदमाश गिरोह का सरगना है उसके गिरोह के द्वारा डकैती और डकैती के दौरान हत्या की वारदातों को अंजाम दिया जाता था गोंडा जनपद में उसके ऊपर करीब 75 से अधिक मुकदमे कायम है और पुलिस के द्वारा एक लाख का इनाम घोषित किया गया था। घायल बदमाश को आनन फानन में सीएचसी रामनगर ले जाएगा यहां से रेफर कर दिया गया। मौके से एसटीएफ की टीम को 315 बोर की एक राइफल 12 बोर की एक बंदूक तथा एक पिस्तौल तथा भारी मात्रा में कारतूस मिले हैं मुठभेड़ की सूचना पाते हैं सी ओ रामनगर गरिमा पंत इंस्पेक्टर रामनगर अनिल कुमार पांडेय मौके पर पहुंचे। अपर पुलिस अधीक्षक विकास चंद्र त्रिपाठी ने भी मौके का जायजा लिया। मुठभेड़ में एसटीएफ निरीक्षक अरुण कुमार सिंह निरीक्षक राघवेंद्र सिंह उप निरीक्षक अतुल चतुर्वेदी उप निरिक्षक प्रदीप सिंह हेड कांस्टेबल राम निवास शुक्ला हेड कांस्टेबल राजीव कांस्टेबल महेंद्र प्रताप सिंह कमांडों रामपाल आरक्षी चालक अफजल मोहित कुमार टीम के साथ शामिल रहे।

पुलिस-प्रशासन ने लगाई जन चौपाल

» विभिन्न विभागों के अधिकारियों और डॉक्टरों की मौजूदगी में जन समस्याओं का समाधान किया गया

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

जैदपुर (बाराबंकी)। नूर मोहम्मद इंटर कॉलेज में पुलिस-प्रशासन की चौपाल का आयोजन किया गया। सीओ सदर सौरभ श्रीवास्तव,विभिन्न विभागों के अधिकारियों और डॉक्टरों की मौजूदगी में जन समस्याओं का समाधान किया गया। चौपाल में सबसे अधिक शिकायतें विद्युत उपकेंद्र से संबंधित थीं। उपभोक्ताओं ने बिल सुधार के नाम पर परेशानी और कम खपत पर भी मीटर को दो किलोवाट करने की शिकायत की। बुनकरों ने कनेक्शन को बिना सूचना घरेलू श्रेणी में बदलने का मुद्दा उठाया। जेई मिर्जा परवेज हुसैन ने 8-10 दिनों में समाधान का वादा किया।

नगर पंचायत से जुड़ी पांच शिकायतें जलभराव, जल निकासी और खराब सड़कों की मरम्मत को लेकर थीं। ईओ आलोक कुमार वर्मा ने बारिश से पहले नालों की सफाई और जलभराव समाधान का आश्वासन दिया।

मोहल्ला बंजारनपुरवा के फतेह मोहम्मद और अलीम के जमीन बटवारे के विवाद को राजस्व निरीक्षक सुनील शुक्ला और कोतवाल संतोष सिंह ने दो दिन में निपटाने का भरोसा दिया। इसके लिए पांच सदस्यीय टीम गठित की गई।

कार्यक्रम में सीएचसी अधीक्षक डॉ. सुशील कुमार सरोज,चेयरमैन प्रतिनिधि दाऊद अलीम,बुनकर नेता तफज्जुल हुसैन,सभासद आलम अंसारी, सुमन राजपूत, मोहम्मद कासिम सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

खमोली गांव में हल्की बारिश से खुली सफाई अभियान की पोल

» रास्ते में भरा बरसाती पानी, जनता परेशान

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बाराबंकी। पूरेदलई ब्लॉक के खमोली गांव में नालियों की व्यवस्था न होने के कारण ग्रामीणों को जलजमाव की गंभीर समस्या का सामना करना पड़ रहा है। गांव की गलियों और रास्तों पर लगातार पानी भरा रहता है,जिससे आम जनजीवन प्रभावित हो रहा है। खास बात यह है कि जलजमाव की यह समस्या सिर्फ आम ग्रामीणों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि ग्राम प्रधान सरोजा देवी रावत के दरवाजे पर भी पानी भरा हुआ है।

खमोली गांव में हल्की बारिश में ही गांव के मुख्य मार्गो पर भारी जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो जाती है,पानी निकासी की कोई व्यवस्था न होने के कारण गांव के चारों और जल भराव हो रहा है। आलम यह है कि चारो और नालियां टूटी और पटी हुई है।जिसके चलते पानी का निकासी नही हो पाता और जल भराव की स्थिति बनी रहती है। हल्की बारिश में है या गांव नदी और नाले में तब्दील हो जाता है। लोगों का आवागमन कठिनाइयों सामना करना पड़ता है।गंभीर समस्या से गांव के लोगों को निजात नहीं मिल पा रही है। ग्रामीण शिवराम, रमेश कनौजिया, संजय रावत, राम अंचल, जगदंबा यादव ने बताया कि उन्होंने कई बार इस समस्या की शिकायत की, लेकिन अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। बरसात के मौसम में यह समस्या और भी विकराल रूप ले लेती है, जिससे बच्चों और बुजुर्गों को निकलने में भारी परेशानी होती है। जल भरा होने की वजह से संक्रमण की बीमारी फैलने का भी खतरा बना रहता है एडीओ पंचायत योगेंद्र प्रसाद का कहना है कि खमोली गांव में जलनिकासी की समस्या हमारे संज्ञान में नहीं है। गांव का निरीक्षण कर नालियों के निर्माण की कार्ययोजना तैयार की जाएगी। प्राथमिकता के आधार पर गांव की सफाई और जल निकासी की व्यवस्था को दुरुस्त किया जाएगा।

यूपी के आईएएस अधिकारी फिर उतरेंगे फील्ड पर

» फील्ड कर उतरकर जानेंगे विकास की जमीनी हकीकत

जिलों के लिए आईएएस बने नोडल अफसर

24 और 25 मई को प्रदेश भर के जिलों का करेंगे निरीक्षण

मुख्य संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के सभी 75 जिलों में नोडल अफसरों की तैनाती कर दी गई है। यह सभी नोडल अफसर निराश्रित गौवंश को शत-प्रतिशत संरक्षित करने और उनके भरण-पोषण के लिए चारा-भूसा, इलाज आदि की जानकारी प्राप्त करेंगे। इसके बाद इसकी रिपोर्ट तैयार कर पशुपालन विभाग को ईमेल और हार्ड कॉपी के जरिए भेजेंगे। मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने जिन 75 अधिकारियों को नोडल अफसर नामित किया है वो 5 अप्रैल से 7 अप्रैल तक जिलों का दौरा करेंगे। वहीं सीएम योगी आदित्यनाथ ने बीते सोमवार को निराश्रित गोवंश के प्रबंधन को लेकर एक उच्च स्तरीय बैठक की थी।

शासन स्तर से जारी किए गए आदेश के मुताबिक, सभी 75 जिलों के नोडल अफसर अपने-अपने जिले के गौशालाओं का स्थलीय निरीक्षण करेंगे। निरीक्षण के दौरान गौशाला में गौवंश की वास्तविक संख्या व सुपुर्दगी में दिए गए गौवंश की संख्या के अभिलेखों का मिलान करेंगे। साथ ही गौशालाओं में पानी, चारा व गौवंशो की इलाज की व्यवस्था की स्थिति संतोषजनक है या नहीं, इसका भी रिपोर्ट में जिक्र करेंगे। वहीं गांव व शहरी क्षेत्रों में भ्रमण के दौरान कोई आवारा पशु सड़को व खेतो में घूमते पाए जाते हैं तो उसके कारणों से भी अवगत कराने के लिये कहा गया है

ये है अफसरों की टीम

- IAS ऋतु महेश्वरी करेंगे लखनऊ के विकास कार्यों का निरीक्षण
- डॉ रूपेश कुमार प्रयागराज, भवानी सिंह फतेहपुर, रविंद्र कुमार प्रतापगढ़ का करेंगे निरीक्षण
- राम केवल कौशांबी, विजय किरन आनंद वाराणसी का करेंगे निरीक्षण
- अंकित कुमार अग्रवाल जौनपुर, गौरव वर्मा चंदौली का करेंगे निरीक्षण
- दिव्य प्रकाश गिरी गाजीपुर, प्रकाश बिंदु मिर्जापुर का करेंगे निरीक्षण
- जयशंकर दुबे सोनभद्र, कृष्ण कुमार गुप्ता भदोही का करेंगे निरीक्षण
- भूपेंद्र चौधरी आजमगढ़, शीलधर यादव बलिया का करेंगे निरीक्षण
- ओम प्रकाश शर्मा मऊ, इंद्र विक्रम सिंह गोरखपुर, शिशिर देवरिया का करेंगे निरीक्षण
- अरविंद कुमार चौरसिया कुशीनगर, मनोज कुमार द्वितीय महाराजगंज का करेंगे निरीक्षण
- सुधा वर्मा बस्ती, संजीव सिंह संत कबीर नगर का करेंगे निरीक्षण अभिषेक सिंह सिद्धार्थ नगर, मासूम अली सरवर गोंडा का करेंगे निरीक्षण
- कृतिका शर्मा बलरामपुर, गरिमा यादव श्रावस्ती का करेंगे निरीक्षण
- प्रेरणा शर्मा बहराइच, आदर्श सिंह अयोध्या का करेंगे निरीक्षण
- नेहा जैन अंबेडकर नगर, संदीप कौर बाराबंकी का करेंगे निरीक्षण
- सी इंदुमती सुल्तानपुर, वंदना वर्मा अमेठी का करेंगी निरीक्षण
- बी चंद्रकला रायबरेली, चैत्रा वी हरदोई का करेंगी निरीक्षण
- सेल्वा कुमारी के उन्नाव, किंजल सिंह सीतापुर का करेंगी निरीक्षण
- माला श्रीवास्तव लखीमपुर, मुथुकुमार स्वामी कानपुर का करेंगे निरीक्षण
- कृतिका देवस्थान कानपुर देहात, कुणाल तेलुगू फर्रुखाबाद का करेंगे निरीक्षण
- अमित कुमार सिंह इटावा, रणविजय यादव औरैया का करेंगे निरीक्षण
- अर्चना वर्मा कन्नौज, प्रमोद कुमार उपाध्याय बांदा का करेंगे निरीक्षण
- राहुल सिंह महोबा, राजेंद्र सिंह द्वितीय हमीरपुर का करेंगे निरीक्षण
- धीरेंद्र सिंह सचान चित्रकूट, शेषनाथ अमरोहा का करेंगे निरीक्षण
- अवनीश कृष्णा मेरठ, हीरालाल यादव गाजियाबाद का करेंगे

निरीक्षण
- मानवेंद्र सिंह हापुड़, साहब सिंह नोएडा का करेंगे निरीक्षण
- देवेंद्र कुमार पांडे बुलंदशहर, अवधेश कुमार तिवारी बागपत का करेंगे निरीक्षण
- राजेश प्रकाश सहारनपुर, दुर्गेश कुमार त्यागी मुजफ्फरनगर का करेंगे निरीक्षण
- राजेश कुमार त्यागी शामली, मारकंडे साहब झांसी का करेंगे निरीक्षण
- राजकुमार प्रथम जालौन, सुनील कुमार ललितपुर का करेंगे निरीक्षण
- बृजेश नारायण सिंह आगरा, कुमार प्रशांत मथुरा का करेंगे निरीक्षण
- अरुण प्रकाश फिरोजाबाद, टीके शिबू मैनपुरी का करेंगे निरीक्षण रमाकांत अलीगढ़, शेष मणि त्रिपाठी हाथरस जाएंगे
- देवेंद्र कुमार कुशवाहा एटा, रघुवीर कासगंज का करेंगे निरीक्षण
- राजेश कुमार द्वितीय बरेली, महेंद्र बहादुर सिंह बदायूं का करेंगे निरीक्षण
- भानु प्रताप त्रिपाठी पीलीभीत, रजनीश चंद्र शाहजहांपुर का करेंगे निरीक्षण
- वैभव श्रीवास्तव मुरादाबाद, चंद्रभूषण संभल का करेंगे निरीक्षण
- चंद्र विजय सिंह रामपुर और डॉ उज्जवल कुमार बिजनौर में करेंगे निरीक्षण...!!

विधायिका समन्वय के संबंध में लखनऊ में हुआ मंथन

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना की अध्यक्षता में एक बैठक सम्पन्न हुई। जिसमें प्रमुख सचिव (गृह) संजय प्रसाद पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश प्रशांत कुमार, प्रमुख सचिव विधानसभा प्रदीप कुमार दुबे एवं प्रमुख सचिव संसदीय कार्य जे.पी. सिंह ने प्रतिभाग किया।बैठक में शासन से विधायिका के समन्वय के सम्बन्ध में विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। इसके अतिरिक्त संसदीय कार्य विभाग द्वारा विधायकों के प्रोटोकाल के विषय में निर्गत किए गए विभिन्न शासनादेशों के विषय में चर्चा हुई।

बैठक में यह निर्णय लिया गया कि संसदीय कार्य विभाग द्वारा माननीय विधायकों के सम्बन्ध में जो शासनादेश निर्गत किए गए हैं उनका अनुपालन भी सुनिश्चित किया जाएगा। इस पर पुलिस महानिदेशक द्वारा यह आश्वासन दिया गया कि वह जनपद स्तर पर पुलिस अधीक्षकों को इस प्रकार के निर्देश निर्गत करेंगे कि वह समय समय पर विधायकों के साथ संवाद

» अतिरिक्त संसदीय कार्य विभाग द्वारा विधायकों के प्रोटोकाल के विषय में निर्गत किए गए विभिन्न शासनादेशों के विषय में चर्चा की गई

स्थापित कर उनकी समस्याओं का संज्ञान लें।

इस मौके पर अध्यक्ष सतीश महाना ने माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति इस हेतु आभार व्यक्त किया कि उन्होंने विधायिका के माननीय सदस्यों के संदर्भ में प्रोटोकाल पालन के लिए समुचित निर्देश प्रसारित करने के आदेश दिए है। प्रमुख सचिव (गृह) एवं पुलिस महानिदेशक द्वारा यह आश्वासन दिया गया कि वे विधायकों के प्रोटोकाल के विषय में माननीय मुख्यमंत्री जी की मंशा एवं दिशा निर्देशों का पालन सुनिश्चित कराने हेतु आवष्यक कार्रवाई करेंगे।इससे पूर्व आज उत्तर प्रदेश विधानसभा की आचार समिति,

नियम समिति, प्रश्न एवं संदर्भ समिति तथा आवास संबंधी संयुक्त समिति की बैठकों में एक स्वर में हाल ही में सम्पन्न हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' की अभूतपूर्व सफलता पर गर्व व्यक्त किया गया।वहीं, इस वीरता पूर्ण अभियान को संभव बनाने में अग्रणी भूमिका निभाने वाले हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के प्रति भी गहरी कृतज्ञता और आभार प्रकट किया गया।विधानसभा की इन बैठकों में सभी सदस्यों ने एक स्वर में कहा कि जब-जब भारतमाता की आन पर आंच आती है, तब-तब हमारी सेना वीरता की एक नई गाथा लिखती है, और ऑपरेशन सिंदूर उसी गौरवशाली परंपरा की नवीनतम कड़ी है।

लड़की की आवाज में बात करता था लोगों के एकाउंट हो जाते थे खाली

ड्रीम गर्ल की तर्ज पर पुलिस भी साइबर ठगी के ऐसे हाईटेक अंदाज को देखकर हैरान

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

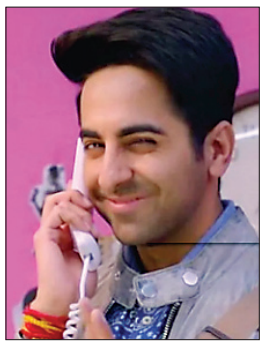

ड्रीमगर्ल फिल्म के आयुष्मान खुराना की तर्ज पर ठगी करने वाला दुर्गेश सिंह तोमर को ग्वालियर से गिरफ्तार कर लिया।

आगरा। आगरा साइबर क्राइम पुलिस ने ग्वालियर निवासी दुर्गेश सिंह तोमर को गिरफ्तार किया, जो फर्जी महिला प्रोफाइल और रोबोटिक तकनीक से 15-20 लोगों से 25 लाख रुपये ठग चुका था। वह सोशल मीडिया पर फर्जी अकाउंट बनाकर लोगों को ब्लैकमेल करता और निवेश के नाम पर ठगता था। दुर्गश ठगी की ठगी करने का तरीका ड्रीमगर्ल फिल्म के आयुष्मान खुराना के तरीके से काफी मिलता-जुलता है। साइबर ठगी करने वाले दुर्गेश तोमर लड़की की आवाज में बात करके लोगों को हनी ट्रैप में फंसाता था। मुनाफे का लालच देकर उनकी जमा पूंजी हड़प लेता था। विभिन्न राज्यों में आरोपी के खिलाफ इसी तरह के 9 मामले दर्ज हैं जिनमें लाखों की ठगी की जा चुकी है।

आगरा साइबर क्राइम पुलिस ने हाईटेक तरीके से ठगी करने वाले शातिर अपराधी दुर्गेश सिंह तोमर को ग्वालियर से गिरफ्तार किया है। ग्वालियर निवासी दुर्गेश फर्जी महिला प्रोफाइल और रोबोटिक तकनीक का इस्तेमाल कर लोगों को ठगी का शिकार बनाता था। उसने 15 से 20 लोगों से लगभग 25 लाख रुपये की ठगी की। पुलिस ने उसके पास से दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं।

दुर्गेश का अपराध का तरीका बेहद चालाकी भरा था। वह लड़की के नाम से फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट बनाकर लोगों से दोस्ती करता और न्यूड फोटो व वीडियो कॉल के जरिए उन्हें ब्लैकमेल करता था। इसके बाद वह टेलीग्राम पर रूप बनाकर कम समय में ज्यादा मुनाफे का लालच देकर लोगों से निवेश करवाता था। इस तरह उसने कई लोगों को अपने जाल में फंसाया और लाखों रुपये की ठगी कर ली।

दुर्गेश को ग्वालियर से गिरफ्तार किया : आगरा साइबर क्राइम पुलिस ने शिकायतों के आधार पर जांच शुरू की और तकनीकी निगरानी के जरिए दुर्गेश को ग्वालियर से गिरफ्तार किया। उसके पास से ठगी में इस्तेमाल किए गए दो मोबाइल फोन बरामद हुए। पुलिस अब यह जांच कर रही है कि इस रैकेट में और कौन-कौन शामिल है और कितने लोग इसके शिकार बने।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दुर्गेश ने 15 से 20 लोगों को ठगा और करीब 25 लाख रुपये हड़प लिये। पीड़ितों में ज्यादातर लोग फर्जी निवेश योजनाओं के लालच में फंसे। पुलिस ने लोगों से ऐसी शिकायतें तुरंत दर्ज करने की अपील की है, जिससे तत्काल कार्रवाई कर ठगों को जल्द पकड़ा जा सके। पुलिस ने लोगों से अज्ञात सोशल मीडिया प्रोफाइल और संदिग्ध निवेश योजनाओं से सावधान रहने को कहा है। दुर्गेश सिंह तोमर की गिरफ्तारी से आगरा में साइबर ठगी के रैकेट का पदाफाश हुआ है। बुधवार को एक प्रेस वार्ता में एडीसीपी आदित्य कुमार ने बताया कि दयालबाग के दीपक ने साइबर थाना में मुकदमा दर्ज कराया था कि टेलीग्राम पर देव कुमार नामक आईडी से बातचीत हुई। उसने रोबोटिक सॉफ्टवेयर के माध्यम से ट्रेडिंग कर मुनाफे का लालच दिया। शुरू में लाभ मिला और बाद में सॉफ्टवेयर दिलाने के नाम पर दो बार में 1.42 लाख रुपये ले लिए। इसके बाद संपर्क तोड़ दिया।

---

31 को होंगे रिटायर

डीजीपी प्रशांत कुमार का हो सकता है सेवा विस्तार

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। यूपी के डीजीपी प्रशांत कुमार 31 मई को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। इस बीच ऐसी खबरें आ रही हैं कि उनकी सेवा का विस्तार हो सकता है।

राज्य सरकार द्वारा डीजीपी प्रशांत कुमार को छह माह का सेवा विस्तार देने के लिए केंद्र सरकार को पत्र भेजे जाने की चर्चा तेज है। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है। सूत्रों के मुताबिक बीते करीब 16 माह से कार्यवाहक डीजीपी के रूप में काम कर रहे प्रशांत कुमार को राज्य सरकार बरकरार रखना चाहती है, जिसके लिए केंद्र सरकार से सेवा विस्तार देने का अनुरोध किया गया है।

प्रशांत कुमार आगामी 31 मई को सेवानिवृत्त होने वाले हैं। इससे पहले डीजी फायर सविज़स अविनाश चंद्र ने भी महाकुंभ में अपनी सेवाओं के दृष्टिगत छह माह का सेवा विस्तार देने का अनुरोध किया था, हालांकि इसे मंजूरी नहीं मिली थी। प्रशांत कुमार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पसंदीदा अफ़सरों में शुमार किए जाते हैं, जिसकी वजह से उनको सेवा विस्तार दिए जाने संभावना जताई जा रही है। हालांकि इस बारे में निर्णय केंद्र सरकार को लेना है। इससे पहले मुख्य सचिव रहे डीएस मिश्रा के सेवा विस्तार मिला था।

योगी का चला डंडा

भ्रष्टाचार पर उपनिदेशक पिछड़ा वर्ग कल्याण यादवेंद्र यादव सस्पेंड

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। यूपी की योगी सरकार का डंडा भ्रष्टाचार और लापरवाही पर एक बार फिर चला है। योगी सरकार ने पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के उपनिदेशक यादवेंद्र यादव को निलंबित कर दिया है। उरन पर भ्रष्टाचार व सरकार पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने जैसे गंभीर आरोप हैं। राज्यसभा सांसद सीता द्विवेदी द्वारा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भेजे गए पत्र में वाराणसी मंडल के उपनिदेशक पिछड़ता वर्ग कल्याण यादवेंद्र यादव पर भ्रष्टाचार, सोशल मीडिया में सरकार, पुलिस चुनाव आयोग आदि पर आपत्तिजनक पोस्ट के गंभीर आरोप लगाए गए थे। सांसद ने बताया कि योजनाओं के क्रियान्वयन में रिश्वत मांगने की शिकागत सामने आई थी। इसे 3 नवंबर 2024 को भेजे गए पत्र में स्पष्ट किया गया था।

इसके साथ ही सांसद ने यह भी बताया कि यादवेंद्र यादव पर पहले से ही उन्नाव में समाज कल्याण अधिकारी की रूप छात्रवृति धनराशि के गबन के आरोप में एक संगीन अपराधिक मामला भी लंबित है। उनके विरुद्ध भारतीय दंड संहिता की धारा 419.420. 467, 408, 1208 के अंतर्गत एफआईआर दर्ज है।

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में भीषण मुठभेड़

सुरक्षाबलों ने जैश के 3-4 आतंकवादियों को घेरा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में सुरक्षाबलों ने जैश के 3-4 आतंकवादियों को घेर लिया है। सुरक्षाबलों का संयुक्त अभियान अभी जारी है, गोलीबारी की खबर सामने आई है।जम्मू-कश्मीर से आतंकवाद का सफाया करने के लिए भारतीय सुरक्षाबलों का ऑरपेरेशन लगातार जारी है। सुरक्षाबलों द्वारा एक के बाद एक ऑपरेशन चलाकर आतंकियों का खात्मा किया जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के सिंहपोरा में भी सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच भीषण मुठभेड़ हो रही है। जानकारी के मुताबिक, सुरक्षाबलों ने इलाके में जैश के 3-4 आतंकियों को घेर लिया है।

तीव्र मुठभेड़ शुरू : जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के छात्रु क्षेत्र में स्थित सिंहपोरा इलाके में गुरुवार सुबह तड़के सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच तीव्र मुठभेड़ शुरू हो गई। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, इस ऑपरेशन में तीन से चार आतंकवादी घिर गए हैं। मुठभेड़ उस समय शुरू हुई जब जम्मू-कश्मीर पुलिस, भारतीय सेना और अर्धसैनिक बलों की संयुक्त टीम ने जम्मू-कश्मीर पुलिस की सटीक खुफिया जानकारी के आधार पर एक घेराबंदी और तलाशी अभियान चलाया।

सुरक्षाबलों ने इलाके को घेरा

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, सुरक्षाबलों द्वारा घिरा हुआ ये आतंकी समूह वही है, जो हाल ही में इसी क्षेत्र में हुई एक मुठभेड़ से भाग निकला था। अधिकारियों ने बताया कि ऑपरेशन अभी जारी है और सुरक्षाबल पूरे इलाके को घेरे हुए हैं।

शोपियां और त्राल में मारे गए थे आतंकी

पहलगाम आतंकी हमले के बाद आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई में शोपियां में 13 मई को लश्कर के 3 आतंकी और 16 मई को त्राल में जैश ए मोहम्मद के 3 आतंकी ढेर किए थे। इन आतंकियों के पास से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किए गए थे।